RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 107 , रविवार, 31 मई 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

सदलाई लामा को मोतिहारी आने का निमंत्रण, एमजीसीयू कुलपति ने की सौजन्य भेंट 03

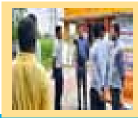
रामगढ़वा में सहयोग शिविर की तैयारियों का एसडीएम व बीडीओ ने लिया जायजा 04

डार्क किरदार पर ईशा सिंह बोलीं कैमरे के पीछे ऑन और ऑफ होना... 07

संक्षिप्त समाचार

ईरान को 28 लाख करोड़ रीकंस्ट्रक्शन फंड मिलेगा

- अमेरिकी कंपनियां निवेश करेंगी अंतिम समझौते पर बात जारी

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका और ईरान के बीच प्रस्तावित 60 दिन के युद्धविराम समझौते में ईरान को बड़ी आर्थिक मदद देने की बात सामने आई है। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, समझौता होने पर ईरान को 300 अरब डॉलर (करीब 28.5 लाख करोड़ रुपए) का फंड दिया जा सकता है। साथ ही अमेरिकी कंपनियों को ईरान में निवेश की अनुमति भी मिल सकती है। एक ईरानी अधिकारी ने इसे रीकंस्ट्रक्शन प्रोग्राम बतायाहै। उनका कहना है कि अंतिम समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद ईरान को यह आर्थिक सहायता देने का वादा किया जाएगा। दूसरी ओर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया है कि दोनों देश परमाणु कार्यक्रम को लेकर समझौते के करीब हैं। ट्रम्प के मुताबिक, ईरान परमाणु हथियार नहीं बनाएगा और उसके पास मौजूद संवर्धित (एनरिच्ड) यूरेनियम को खत्म कर दिया जाएगा। हालांकि, ईरान ने ट्रम्प के दावे को खारिज कर दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघई ने कहा कि फिलहाल परमाणु मुद्दे पर कोई बातचीत नहीं चल रही है। वहीं, फार्स न्यूज एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि समझौते के मसौदे में परमाणु सामग्री को नष्ट करने जैसी कोई शर्त शामिल नहीं है।

कांवड़ यात्रा के लिए दिल्ली सरकार की बड़ी तैयारी

- मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने किया उच्च स्तरीय समिति का पुनर्गठन

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आगामी कांवड़ यात्रा को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए उच्च स्तरीय कांवड़ समिति का पुनर्गठन किया है। दिल्ली सरकार के संस्कृति और कानून मंत्री कपिल मिश्रा को इस समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है, जबकि दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले पांच विधायकों को बतौर सदस्य

इसमें शामिल किया गया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि उच्च स्तरीय कांवड़ समिति का पुनर्गठन किया गया है। कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा को समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। जबकि अजय माहवार, अनिल शर्मा, करनैल सिंह, संजय गोयल और उमंग बजाज को इस समिति का सदस्य नियुक्त किया गया है। **कांवड़ शिविरों को दी जाएगी विशेष सहायता–** मुख्यमंत्री का कहना है कि दिल्ली सरकार इस बार भी शिवभक्तों के लिए सम्मानजनक एवं बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित करेगी। इसके लिए कांवड़ शिविरों को विशेष सहायता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा केवल एक पारंपरिक धार्मिक आयोजन मात्र नहीं है, बल्कि यह हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, अटूट सामाजिक समरसता और जनआस्था का एक विराट महोत्सव है। उन्होंने कहा कि सावन माह में दिल्ली की सड़कों पर उमड़ने वाला शिवभक्तों का सैलाब देश की सांस्कृतिक एकता को प्रदर्शित करता है। दिल्ली सरकार के लिए कांवड़ व्यवस्थाएं अब सिर्फ कागजी प्रशासनिक कामकाज नहीं रह गई हैं, बल्कि यह पूरी व्यवस्था दिल्ली में सेवा, श्रद्धा और सम्मान का एक अनूठा प्रतीक बन चुकी है।

पहले नीट फिर सीबीएसई एसएससी और अब सीयूईटी

- राहुल गांधी बोले-अब तक एक भी परीक्षा ईमानदारी से नहीं करा सकी सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शनिवार को केंद्र सरकार पर एक बार फिर हमला बोला। यह हमला तब हुआ जब खबरें आईं कि तकनीकी गड़बड़ियों के कारण देश भर के कई केंद्रों पर सीयूईटी-यूजी 2026 की परीक्षा रद्द कर दी गई या उसमें देरी हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निशाना बनाते हुए राहुल ने आरोप लगाया कि सरकार नीट, सीबीएसई, एसससी और अब सीयूईटी से जुड़े विवादों का हवाला देते हुए बड़ी राष्ट्रीय परीक्षाओं को निष्पक्ष और कुशलता से आयोजित करने में विफल

रही है। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने लिखा- नीट, सीबीएसई, एसएससी और आज सीयूईटी चार परीक्षाएं। एक करोड़ बच्चे। एक भी ईमानदारी से आयोजित नहीं हुई। उन्होंने आगे कहा, विश्व गुरु होने का दावा करते हैं, लेकिन देश में एक भी परीक्षा ठीक से आयोजित नहीं कर सकते। मोदी जी ने पूरी शिक्षा व्यवस्था को पूरी तरह बर्बाद कर दिया है। जिस पीढ़ी का भविष्य आप तबाह कर रहे हैं, वही पीढ़ी आपसे इसका हिसाब लेगी।

एनटीए ने स्वीकार की खामी

राहुल की यह टिप्पणी तब आई जब नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने स्वीकार किया कि उसके टेक्नोलॉजी पार्टनर, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज की तरफ से आई एक तकनीकी गड़बड़ी के कारण शनिवार को कई परीक्षा केंद्रों पर सीयूईटी–यूजी 2026 की शुरुआत में देरी हुई। एनटीए के अनुसार, इस समस्या को बाद में सुलझा लिया गया और उम्मीदवारों को पूरा अतिरिक्त समय दिया गया ताकि किसी भी छात्र को कोई नुकसान न हो। हालांकि जांच जारी है।

अरविंद केजरीवाल ने भी किया हमला

सीयूईटी में आई इस बाधा को लेकर सरकार की आलोचना करने में कई विपक्षी नेता राहुल गांधी के साथ शामिल हो गए। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि सरकार परीक्षाओं में सिस्टम की कमियों को ठीक करने के बजाय दिखावे पर ज्यादा ध्यान दे रही है। नीट के प्रश्न पत्र लाने–ले जाने के लिए वायु सेना के विमानों का इस्तेमाल करने के केंद्र के फैसले का जिक्र करते हुए केजरीवाल ने सवाल उठाया कि क्या ऐसे उपायों से सच में पेपर लीक रुक पाएगा। उन्होंने एक्स पर लिखा, नीट में पेपर लीक रोकने के लिए वायु सेना के विमानों का इस्तेमाल किया जाएगा। क्या इससे पेपर लीक रुक जाएगा। हमारी सरकार अनपढ़ लोगों की तरह बात क्यों कर रही है।

भारत ने बांग्लादेश को सौंपे 2680 लोगों के नाम

सख्ती का डर, उलटे पांव लौट रहे अवैध घुसपैठिए

कोलकाता (एजेंसी)। भारत में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों को लेकर सरकार ने अपना रुख बेहद सख्त कर लिया है। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि देश में गैर-कानूनी तरीके से प्रवेश करने वाले और रह रहे सभी विदेशियों के साथ कानून के दायरे में रहकर निपटा जाएगा। नई दिल्ली ने इस

दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए बांग्लादेश को 2,680 से अधिक लोगों की सूची सौंपी है, ताकि उनकी राष्ट्रीयता की आधिकारिक पुष्टि हो सके और उन्हें वापस उनके देश भेजा जा सके। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने अपनी साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग के दौरान अवैध घुसपैठियों की पहचान और उन्हें वापस भेजने की प्रक्रिया पर विस्तार से बात की।

वेस्ट बंगाल के सोनारपुर में अभिषेक बनर्जी पर हमला

- लोगों ने पीटा, अंडे फेंके, शर्ट फाड़ी, चोर-चोर के नारे लगाए
- हेलमेट पहनाकर निकालना पड़ा, कार्यकर्ताओं से मिलने गए थे

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के सोनारपुर दक्षिण में टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी से शनिवार शाम को मारपीट हुई है। वे यहां चुनावी हिंसा के पीड़ित टीएमसी कार्यकर्ताओं से मिलने पहुंचे थे। आरोप है कि वहां पहुंचते ही भाजपा कार्यकर्ताओं ने उन्हें घेर लिया और नारेबाजी करते हुए उनके साथ मारपीट कर दी। लोगों ने उन पर पत्थर, जूते और अंडे फेंके, उनकी शर्ट फाड़ दी। अभिषेक को हेलमेट पहनाकर वहां से निकाला गया। बनर्जी बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद हुई हिंसा से प्रभावित कार्यकर्ताओं और उनके परिवारों से मिलने की यात्रा पर निकले हैं। सोनारपुर में हमले के दौरान बनर्जी पर अंडे और पत्थर फेंके गए, स्थानीय लोगों ने चोर-चोर के नारे लगाए।

बीजेपी पर बनर्जी ने किया पलटवार– सोनारपुर में हमला होने पर अभिषेक बनर्जी ने बीजेपी को निशाने पर लिया है। उन्होंने कहा कि यह सब भाजपा प्रायोजित है। देखो उन्होंने क्या किया है। यह उनके लोकतंत्र का उदाहरण है। एक महीना भी नहीं हुआ है, और पुलिस कहीं दिखाई नहीं दे रही है। आरोप है कि जब अभिषेक बनर्जी सोनारपुर पहुंचे तो उनके ऊपर हमला हुआ। इस दौरे के दौरान बनर्जी पर अंडे और पत्थर फेंके गए।

भारत ऑपरेशन सिंदूर 2.0 के लिए तैयार

- पासिंग आउट परेड में आर्मी चीफ ने कहा-अभी केवल संघर्ष विराम
- कहा-हमने बेंचमार्क बनाया कि भारत उकसावे पर कैसा जवाब देता है

पुणे/नईदिल्ली (एजेंसी)। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है। फिलहाल संघर्ष विराम जैसी स्थिति है। जरूरत पड़ी तो तीनों सेनाएं 'ऑपरेशन सिंदूर 2.0' के लिए पूरी तरह तैयार हैं। आर्मी चीफ ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने एक बेंचमार्क सेट कर दिया है कि भारत किसी भी उकसावे पर कैसे जवाब देता है। कैडेट्स अपने करियर की शुरुआत से ही इस

बेंचमार्क को बनाए रखें। आर्मी चीफ पुणे के खड़कवासला में शनिवार को राष्ट्रीय रक्षा अकादमी का 150वीं पासिंग आउट परेड में शामिल हुए। रिव्यूइंग ऑफीसर के तौर पर उन्होंने 355 कैडेट अफसरों की परेड की सलामी ली। इस दौरान कैडेट्स ने मार्च पास्ट किया। फ्लाईपास्ट में एसयू-30 लड़ाकू विमान, चेतक हेलीकॉप्टर, सारंग हेलीकॉप्टर एरोबेटिक्स टीम और आकाशगंगा स्काईडाइविंग टीम ने हिस्सा लिया।

- **सेना प्रमुख के नए अफसरों को मैसेज–** मॉर्डन वॉरफेयर पारदर्शी हो गया है। 24 घंटे हर गतिविधि पर नजर रखी जाती है। ऐसे में सैनिकों की तैनाती, ऑपरेशन और बॉर्डर एरिया में नागरिकों की सुरक्षा को लेकर बेहद सतर्क रहने की जरूरत है। जीत हमेशा

दिमाग में होती है। यह जमीन पर नहीं होती। इन्फॉर्मेशन वॉरफेयर तभी सफल होता है जब पूरा देश एक साथ आए और इन्फॉर्मेशन देने वाले लोगों पर भरोसा करे। जिस देश के नागरिक और संस्थाएं एक–दूसरे पर विश्वास करती हैं, वह देश हमेशा मजबूत स्थिति में रहता है। जब युद्ध की गति बहुत तेज हो रही हो, तो संसाधनों के दायरे में रहकर एडीशनल हेल्प की जरूरत पड़ती है, ताकि तेजी से फैसले ले सकें। बहुत सारी तकनीकों और संसाधनों को संभालने के लिए, ऑटोमेशन की जरूरत होती है, और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इसमें बहुत अहम रोल निभाता है। भविष्य की लड़ाइयां केवल पारंपरिक तरीके से नहीं लड़ी जाएंगी, बल्कि ये मल्टी डोमेन वॉरफेयर होगा। इनमें जमीन, हवा, समुद्र, अंतरिक्ष, साइबर, इलेक्ट्रोमैग्नेटिक और कॉग्निटिव एरिया शामिल होंगे।

3 जून को सीएम पद की शपथ लेंगे डीके शिवकुमार!

- मंत्रिमंडल में भी बड़ा फेरबदल, राहुल-प्रियंका रहेंगे मौजूद

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में चल रही सियासी उथल-पुथल के बीच बड़ा अपडेट सामने आया है। सूत्रों का कहना है कि डीके शिवकुमार 3 जून यानी बुधवार को मुख्यमंत्री पद की शपथ ले सकते हैं। उनके साथ 10 अन्य मंत्री भी शपथ ले सकते हैं। इसके बाद 18 जून के बाद कैबिनेट का विस्तार किया जा सकता है। राज्यसभा चुनाव होने के बाद कर्नाटक में कैबिनेट विस्तार की संभावना है। राज्य

सरकार में चल रहे नेतृत्व परिवर्तन के बीच पार्टी नेतृत्व शनिवार को होने वाली कांग्रेस विधायक दल की एक महत्वपूर्ण बैठक की तैयारी कर रहा है। सूत्रों का कहना है कि डीके शिवकुमार की कैबिनेट में 50 फीसदी नए चेहरे हो कते हैं कर्नाटक विधान परिषद के चीफ विप सलीम अहमद ने शुक्रवार को कहा कि कैबिनेट के गठन,सीएलपी बैठक के बाद कांग्रेस आलाकमान की ओर से लिया जाएगा।

कम नहीं होगा सिद्धारमैया का दबदबा– राजनीतिक जानकारों का मानना है कि विधायकों, पिछड़ा वर्ग समूहों और जमीनी कार्यकर्ताओं पर श्री रमैया की मजबूत पकड़ सत्ता के औपचारिक हस्तांतरण के बाद भी राज्य कांग्रेस की दिशा तय करती रहेगी। कांग्रेस आलाकमान रमैया के प्रभावशाली अहिंडा सामाजिक गठबंधन (जिसमें अल्पसंख्यक, पिछड़ा वर्ग और दलित शामिल हैं) को छेड़ने से बच रहा है। यह गठबंधन कर्नाटक में पार्टी की चुनावी सफलता का मुख्य केंद्र रहा है। राज्यसभा की भूमिका स्वीकार करने के बजाय कर्नाटक की राजनीति में ही सक्रिय रहने का रमैया का फैसला साफ संकेत देता है कि वे राज्य के राजनीतिक मामलों में अपना सीधा प्रभाव बनाए रखना चाहते हैं।

लोकतंत्र में हर आवाज के लिए जगह चिंता की बात नहीं

- कॉकरोच जनता पार्टी पर आ गई आरएसएस की प्रतिक्रिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोशल मीडिया पर इन दिनों तहलका मचा रहे सैटायरिकल ग्रुप कॉकरोच जनता पार्टी को लेकर चल रहे विवाद पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का भी बयान सामने आया है। आरएसएस के वरिष्ठ नेता सुनील आंबेकर ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि एक लोकतांत्रिक समाज में अलग-अलग राय और सार्वजनिक चर्चाएं होना स्वाभाविक प्रक्रिया है और इसे चिंता या झटके के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। आपको बता दें कि सीजेपी का सोशल मीडिया पर सीजेपी के

बीच में काफी क्रज है। इंस्टाग्राम पर इसके फॉलोअर्स की संख्या भारतीय जनता पार्टी सहित कई प्रमुख राजनीतिक दलों से भी आगे निकल गई है।

आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने समाचार एजेंसी एएनआई से बातचीत में कहा कि भारतीय लोकतंत्र में सभी तरह की आवाजों और भावनाओं को समाहित करने की पूरी क्षमता है। सुनील आंबेकर ने कहा, हम एक जागरुक समाज हैं और लोकतांत्रिक प्रक्रिया का पालन करते हैं।

युवाओं को देश पर पूरा भरोसा

जब आंबेकर से पूछा गया कि क्या आरएसएस को इस तरह के मुद्दों पर हस्तक्षेप करना चाहिए, तो उन्होंने कहा कि हमारी लोकतांत्रिक संस्थाएं, राजनीतिक दल और मीडिया इन मामलों से खुद निपटने में पूरी तरह सक्षम हैं। आंबेकर ने कहा, राजनीतिक दल सक्षम हैं और हमारी कोई भी संस्था कमजोर नहीं है। हमारा सिस्टम इन मामलों को संभालने की ताकत रखता है, इसलिए मुझे नहीं लगता कि संघ को ऐसे मामलों में तुरंत कूदने की जरूरत है। उन्होंने आगे कहा कि देश के युवाओं यानी जेन–जी के मन में बहुत उम्मीदें हैं और उन्हें भारत पर पूरा भरोसा है। आरएसएस भी देश की युवा शक्ति पर पूरा विश्वास रखता है।

मलक्का स्ट्रेट के पास भारत का मेगा प्लान

- चीन के लिए सिरदर्द बनेगा ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट!

बीजिंग (एजेंसी)। ईरान युद्ध के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य के प्रभावी रूप से बंद होने के कारण वैश्विक ऊर्जा संकट पैदा हुआ है। इसने भारत और चीन दोनों दो बराबर रूप से परेशान किया है। हालांकि, दोनों देशों के पास मौजूद रणनीतिक भंडारों ने हालात को काबू में रखा है। इसके बावजूद इस युद्ध ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं की कमजोरी और व्यापार के अहम समुद्री मार्गों के महत्व को दुनिया के सामने रख दिया है। होर्मुज जलडमरूमध्य संकट ने भारत को लंबे समय से अनिश्चितता के दौर से गुजर रहे ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट को फिर से रफ्तार दे दी है। इसके तहत भारत ग्रेट निकोबार द्वीप को रणनीतिक रूप से अहम मलक्का जलडमरूमध्य के पास एक बड़े डिफेंस और लॉजिस्टिक हब में बदलना चाहता है।

मलक्का के जरिए चीन पर हावी होने की कोशिश– साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट

के अनुसार, होर्मुज जलडमरूमध्य से लेकर मलक्का जलडमरूमध्य तक जाने वाले समुद्री मार्ग चीन के आर्थिक विकास में अहम भूमिका निभाते हैं। इस समुद्री मार्ग में किसी भी तरह की रुकावट चीन की अर्थव्यवस्था को गंभीर झटका दे सकती है। यही कारण है कि चीन भारत के इस प्रोजेक्ट को लेकर इतना परेशान है। उसे आशंका है कि अगर संकट के समय भारत निकोबार द्वीप समूह से मलक्का जलडमरूमध्य से होकर गुजरने वाले चीनी समुद्री यातायात को बंद कर देता है तो इससे उसे बड़ा झटका लग सकता है। यह झटका इतना बड़ा होगा कि चीन परेशान हो जाएगा।

ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट से भारत को होगा फायदा

ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट के जानकारों का कहना है कि इससे भारत की सैन्य ताकत में जबरदस्त इजाफा होगा। इतना ही नहीं, उनका यह भी दावा है कि भारत इस प्रोजेक्ट के माध्यम से चीन की आपूर्ति श्रृंखलाओं को नियंत्रित करने या बाधित करने में सक्षम हो जाएगा। यह चीन की मलक्का दुविधा को और गहरा करेगा। मलाका दुविधा एक रणनीतिक कमजोरी है जिसे 2003 में चीनी नेतृत्व ने पहचाना था। यह चीन की ऊर्जा और व्यापारिक आयात के लिए मलाका जलडमरूमध्य पर अत्यधिक निर्भरता को दर्शाती है। चीन अपनी आयातित ऊर्जा का 80 प्रतिशत और अपने कुल व्यापार का दो–तिहाई हिस्सा मलाका जलडमरूमध्य के रास्ते ही प्राप्त करता है। यही कारण है कि चीन लगातार कुछ वर्षों से हिंद महासागर और उसके आसपास के इलाकों में अपनी नौसैनिक उपस्थिति को बढ़ा रहा है। उसने पाकिस्तान, श्रीलंका, म्यांमार, बांग्लादेश में सैन्य अड्डे भी बनाए हैं। इसके अलावा, चीन अपने सर्वे ऑपरेशन (जासूसी जहाजों) के बड़े नेटवर्क के जरिए हिंद महासागर का अध्ययन कर रहा है। इससे उसे पानी की स्थितियों, धाराओं और समुद्र तल के बारे में अपनी समझ को बेहतर बनाने में मदद मिल रही है। ये सभी काम अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत मान्य हैं।

संक्षिप्त समाचार

गाली देने का विरोध, युवक पर चाकू से हमला, गंभीर रूप से घायल, पटना रेफर

हाजीपुर। वैशाली जिले के सराय थाना क्षेत्र के सरसई गांव में आपसी विवाद के दौरान एक युवक पर चाकू से हमला कर दिया गया। मुखिया को गाली देने का विरोध करने पर हुई इस घटना में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर किया गया है। यह घटना शुक्रवार रात की है। घायल युवक की पहचान सरसई गांव निवासी आमोद पासवान के 22 वर्षीय पुत्र अमरजीत कुमार के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, शुक्रवार की रात कुछ लोग गांव में दरवाजे पर बैठकर रामपुर रत्नाकर पंचायत के मुखिया गणेश पासवान के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग कर रहे थे। इसी दौरान अमरजीत कुमार ने बेवजह गाली-गलौज करने का विरोध किया। आरोप है कि विरोध करने पर उसके ही पाटीदार हरेंद्र पासवान के पुत्र चंद्रकेत कुमार और चंदन कुमार उससे उलझ गए और मारपीट शुरू कर दी। विवाद बढ़ने के दौरान, आरोपितों में से एक ने जेब से चाकू निकालकर अमरजीत के सीने पर वार कर दिया। चाकू लगते ही वह मौके पर ही बेहोश होकर गिर पड़ा। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई और आनन-फानन में घायल युवक को इलाज के लिए हाजीपुर सदर अस्पताल पहुंचाया गया। सदर अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे पटना पीएमसीएच रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलने के बाद सराय थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच में जुट गई है। सराय थाना अध्यक्ष संजीव कुमार ने बताया कि चाकू आपसी विवाद में चली है और पुलिस पूरे मामले की जांच-पड़ताल कर रही है। थाना अध्यक्ष ने यह भी बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। घायल और आरोपी दोनों का घर पास में ही है, जिसके कारण गांव में तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है और स्थानीय लोग मामले को लेकर चर्चा कर रहे हैं।

बिदुपुर घाट पर दिखा घड़ियाल, स्थानीय लोगों में डर का माहौल, वन विभाग को दी गई सूचना

हाजीपुर। वैशाली जिले के बिदुपुर प्रखंड के मधुरापुर नया टोला घाट पर तड़के सुबह एक घड़ियाल देखा गया। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में कौतूहल और चिंता का माहौल बन गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घड़ियाल घाट के किनारे टहलता हुआ दिखाई दिया। इस दुर्लभ नजारे को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग घाट पर उमड़ पड़े और अपने मोबाइल फोन में उसकी तस्वीरें लेने लगे। स्थानीय लोगों ने तुरंत स्थानीय प्रशासन और वन विभाग की टीम को इसकी सूचना दी। हालांकि, खबर लिखे जाने तक वन विभाग की टीम घड़ियाल को रेस्क्यू करने के लिए घाट पर नहीं पहुंची थी। घड़ियाल देखे जाने के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया है। स्थानीय लोग बच्चों और अन्य लोगों को घाट के पास जाने से रोक रहे हैं ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। स्थानीय लोगों ने बताया कि घड़ियाल अक्सर धूप सेंकने या अंडे देने के लिए सूखी रेत पर आते हैं और फिर पानी में लौट जाते हैं।

ईंट भट्ठा पर गड्ढे में डूबकर दो बच्चों की मौत, दोस्तों के साथ नहाने गया था, गहरे पानी में डूबने से गई जान

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर जिले के तुर्की थाना क्षेत्र अंतर्गत छाजन उत्तरवारी टोला चौर में शनिवार सुबह ईंट भट्ठा के गड्ढे में डूबने से दो किशोरों की मौत हो गई। यह घटना सुबह करीब 11 बजे हुई। जानकारी के अनुसार, गांव के कुछ युवक ईंट भट्ठा के गड्ढे में नहाने गए थे। इसी दौरान नहाते समय पैर फिसलने से दोनों लड़के गहरे पानी में जाकर डूबने लगे। साथ मौजूद लोगों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन वे सफल नहीं हो सके। मृतकों की पहचान

छाजन उत्तरवारी टोला निवासी नीरज कुमार (18 वर्ष), पिता सुधीर सिंह, और सुमन कुमार (16 वर्ष), पिता आलोक सिंह, के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में शोक छा गया। सूचना मिलने पर तुर्की थाना पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने दोनों शवों को गड्ढे से बाहर निकलवाया। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच, मुजफ्फरपुर भेजने की कवायदा में जुटी हुई है।

29 करोड़ की लागत से बना मॉडल अस्पताल बेहाल, ड्रेनेज सिस्टम फेल, ऑपरेशन थिएटर में घुसा बारिश का पानी

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से करीब 29 करोड़ रुपए की लागत से बनाए गए मॉडल अस्पताल की व्यवस्थाओं की शुक्रवार को हुई बारिश ने पोल खोलकर रख दी। महज एक वर्ष पहले शुरू हुए इस अत्याधुनिक अस्पताल के ऑपरेशन थिएटर (ओटी) में बारिश का पानी घुस जाने से स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो गईं। स्थिति ऐसी हो गई कि ड्रेसिंग के लिए आए मरीजों को इमरजेंसी वार्ड भेजना पड़ा। शुक्रवार सुबह हुई तेज बारिश के दौरान अस्पताल के ऑपरेशन थिएटर में अचानक गंदा पानी भरने लगा। कर्मचारियों के अनुसार छत पर जमा पानी ड्रेनेज सिस्टम फेल होने के कारण बेसिन के पाइप से होते हुए सीधे ओटी में पहुंच गया। पानी प्रवेश करते ही अस्पताल कर्मियों के बीच अफरा-तफरी मच गई और तत्काल उपकरणों को सुरक्षित करने तथा पानी निकालने की कवायद शुरू की गई। ऑपरेशन थिएटर में पानी भरने से वहां लगे लाखों रुपये मूल्य के अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणों के खराब होने की आशंका बढ़ गई है। लगातार गंदा पानी आने के कारण ओटी का वातावरण भी प्रभावित हुआ, जिससे स्वास्थ्यकर्मियों को काम करने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। ओटी विभाग में कार्यरत रीमा कुमारी ने बताया कि बारिश होते ही संभवतः टॉयलेट ओवरफ्लो हो गया, जिसके कारण वॉशरूम का पानी ऑपरेशन थिएटर में भर गया। उन्होंने कहा कि ओटी पूरी तरह स्टेराइल होना चाहिए, लेकिन वहां गंदा पानी जमा हो गया, जिससे काम करना मुश्किल हो गया है। वहीं विभाग की एक अन्य कर्मी ने बताया कि बारिश होने पर अक्सर ऐसी समस्या उत्पन्न हो जाती है। उन्होंने चिंता जताई कि ओटी में मौजूद महंगे उपकरण इस कारण क्षतिग्रस्त हो सकते हैं। ओटी में पानी भरने से नियमित चिकित्सा सेवाएं भी प्रभावित हुईं। करीब एक दर्जन मरीजों की ड्रेसिंग ऑपरेशन थिएटर के बजाय इमरजेंसी वार्ड में करानी पड़ी। इससे मरीजों और उनके परिजनों में नाराजगी देखने को मिली। अस्पताल परिसर के अन्य हिस्सों में भी बारिश का असर दिखाई दिया। पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) में पानी भर जाने से वहां आने-जाने में लोगों को परेशानी हुई। सफाईकर्मी लगातार पानी निकालने में जुटे रहे। इसके अलावा जिला मलेरिया कार्यालय परिसर में भी जलजमाव की स्थिति बनी रही। गौरतलब है कि 29 करोड़ रुपये की लागत से बने इस मॉडल अस्पताल का उद्घाटन 14 मई 2025 को बड़े स्तर पर किया गया था। भवन निर्माण और रखरखाव की जिम्मेदारी बिहार मेडिकल सर्विसेज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीएमएसआईसीएल) के पास है। ऐसे में महज एक साल के भीतर ड्रेनेज सिस्टम फेल होने और ऑपरेशन थिएटर में पानी भरने की घटना निर्माण गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है। अस्पताल प्रबंधक प्रवीण कुमार ने इस घटना को गंभीर तकनीकी खामी बताते हुए कहा कि मामले की रिपोर्ट विभाग को भेज दी गई है और समस्या के स्थायी समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

पटना में युवक की हत्या जमीन विवाद की आशंका

रिश्तेदारों पर मर्डर का आरोप, आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए चल रही छापेमारी

एजेंसी, पटना

पटना के फुलवारी शरीफ थाना क्षेत्र के बेउर इलाके में शनिवार को एक युवक की हत्या कर दी गई। परिजनों ने जमीन विवाद को लेकर रिश्तेदारों पर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा और मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान आनंद कुमार (40) के रूप में हुई है। परिजनों के मुताबिक, आनंद कुमार का अपने परिवार के कुछ सदस्यों के साथ जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। इसी विवाद के चलते उनकी हत्या की आशंका जताई जा रही है।

पुलिस को पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजारः मृतक के भाई

अरविंद कुमार ने आरोप लगाया है कि जमीन विवाद के कारण परिवार के ही कुछ लोगों ने आनंद कुमार की साजिश रचकर हत्या की है। उन्होंने पुलिस से आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने बताया कि घटना के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। परिजनों की ओर से लगाए गए आरोपों को भी जांच में शामिल किया गया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल पाएगा। फिलहाल, पुलिस आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

कान के पीछे लगी बुलेटः फुलवारी शरीफ पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी-1 सुशील कुमार ने बताया कि बेऊर थाना के निदान अस्पताल के नजदीक अपराधियों ने आनंद कुमार के कान के पीछे गोली मारी है। परिजन के अनुसार आनंद कुमार का उनके गोतिया से जमीन को लेकर वर्षों से विवाद चल रहा था। यह विवाद न्यायालय में टाइटल सूट के रूप में चल रहा था। गोतिया भूटाली राय और राजू कुमार पर हत्या करने की आशंका जताई है। पुलिस घटनास्थल से सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अपराधियों की पहचान करने में जुटी है।

पुणे से आई ट्रेन के महिला कोच में मिली लाश, बेल्ट से लटकी थी युवक की बॉडी

एजेंसी, पटना

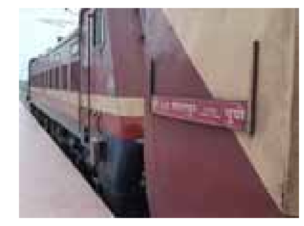

दानापुर रेलवे स्टेशन के फ्लेटफार्म नंबर-2 पर शनिवार को पुणे से दानापुर आने वाली 01449 स्पेशल ट्रेन की महिला कोच एक युवक की लाश मिली है। युवक बेल्ट से लटका था। आशंका जताई जा रही कि उसने आत्महत्या की होगी। ट्रेन के दानापुर पहुंचने के बाद सीएनडब्ल्यू (कोचिंग डिपो) के सफाईकर्मी और आरपीएफ जवान महिला कोच का दरवाजा खोलने पहुंचे थे। दरवाजा अंदर से बंद था। जिके बाद इमरजेंसी खिड़की से आरपीएफ के जवान कोच में घुसे तो देखा 16 से 19 नंबर सीट के ऊपर बने लगेज कैरियर में लाश फंदे से लटकी थी। युवक की उम्र लगभग 25 से 30 वर्ष बताई जा रही है। पहचान अभी नहीं हुई है। युवक के पास से कोई पहचान पत्र, मोबाइल या अन्य सामान बरामद नहीं हुआ। जेब से केवल एक रूमाल मिला है। पैर भी खाली थे। न चप्पल पहना था और न जूता।

जीआरपी थानाध्यक्ष अजय कुमार, सर्किल इंस्पेक्टर और पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने एफएसएल टीम को जानकारी दी, जिसके बाद एफएसएल टीम भी

अंदर से बंद था दरवाजा, इमरजेंसी खिड़की से घुसे जवान

घटनास्थल पर पहुंची। एफएसएल टीम की प्रारंभिक जांच में शव के करीब 10 घंटे पुराना होने की आशंका जताई गई है। युवक ने मैरून रंग की टी-शर्ट और काले रंग की जींस पहन रखी थी। यह ट्रेन पुणे से चलकर दानापुर पहुंचती है। शनिवार को ट्रेन कई घंटे की देरी से सुबह करीब 11:15 बजे स्टेशन पहुंची। घटना के कारण ट्रेन का रेक भी देर से तैयार हो सका, जिससे दानापुर से वापसी में ट्रेन करीब सवा दो बजे रवाना हुई। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। रेल डीएसपी कंचन राज ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि इलाहाबाद से ट्रेन खुलने के बाद संबंधित बोगी में कोई यात्री नहीं चढ़ा था और ट्रेन का दरवाजा बंद था।

राबड़ी बोलीं- फोर्स बुला लो बंगला खाली नहीं करेंगे

एजेंसी, पटना

बिहार की पूर्व CM राबड़ी देवी को 20 साल पुराना सरकारी बंगला खाली करना होगा। शुक्रवार को ये आदेश भवन निर्माण विभाग की ओर से जारी किया गया है। विभाग का राबड़ी देवी को ये तीसरा नोटिस है। नोटिस पर राबड़ी देवी ने कहा, 10 सर्कुलर रोड वाला अवास किसी भी कीमत पर खाली नहीं करेंगे। सम्राट नए-नए मुख्यमंत्री बने हैं। हम तो चाहते हैं सम्राट चौधरी फोर्स बुलाकर आवास खाली करवा लें। आज ही वे दिल्ली से पटना लौटी हैं।

वहीं सचिवालय एसडीपीओ अनु कुमारी राबड़ी आवास पहुंची है। पुलिस फोर्स को भी बुलाया गया है। राबड़ी देवी ने सचिवालय सीडीपीओ को अंदर बुलाकर बातचीत की। भवन निर्माण विभाग की ओर से जारी नोटिस में कहा गया है कि ये आवास अब डेयरी, मत्स्य एवं

पशु संसाधन (पशुपालन) मंत्री नंदकिशोर राम को आवंटित कर दिया गया है। बिहार चुनाव-2025 के बाद ही राबड़ी देवी को नया 39 हार्डिंग रोड बंगला आवंटित किया गया था। भवन निर्माण विभाग के अनुसार, विभागीय आदेश संख्या-122 दिनांक 25 नवंबर 2025 के तहत विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष राबड़ी देवी के लिए 39 हार्डिंग रोड स्थित सरकारी आवास आवंटित किया गया था। ये आवास राबड़ी देवी के नाम पहले ही जारी किया जा चुका है। इसके बावजूद अब तक उन्होंने पूर्व से आवंटित 10 सर्कुलर रोड आवास खाली नहीं किया है।

फोन पर ऑर्डर, फिर कट्टे की सप्लाई, बख्तियारपुर के टाल इलाके में चल रहा था मिनी गन फैक्ट्री

एजेंसी, पटना

पटना जिले के बख्तियारपुर में पुलिस और एसटीएफ ने बड़ी कार्रवाई है। एक अवैध मिनी गन फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। एसटीएफ को गुप्त सूचना मिली थी कि टेकाबिगहा गांव के पास धोबा पुल के मुहाने पर झाड़ियों में चार लोग अवैध हथियारों का निर्माण कर रहे हैं। सूचना मिलते ही टीम ने स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर छापेमारी की। पुलिस को देखते ही झाड़ियों में छिपे चारों तस्कर भागने लगे, जिन्हें खदेड़कर पकड़ लिया गया। जिसकी पहचान नालंदा जिले के चिकसौरा निवासी विजय प्रसाद, धनंजय कुमार, सकलदीप प्रसाद और मिथिलेश बिंद के रूप में हुई है। इनमें सकलदीप पर पहले भी कई आपराधिक मामले दर्ज है।

5 लोगों ने बनाया था गैंगः

मौके से तीन बेस मशीन, दो निर्मित और तीन अर्धनिर्मित हथियार बरामद किए गए। इसके अलावा, हथियार बनाने में इस्तेमाल होने वाली एक खंडा भाती, तीन कारतूस के खोखे, एक हैंड ड्रिल मशीन और कई बटखरे भी जब्त किए गए हैं। पूछताछ में पता चला कि पांच लोगों ने मिलकर यह गैंग बनाया था। यह गिरोह बेहद शातिर तरीके से काम करता था। डिमांड के अनुसार कट्टों का निर्माण करते थे। छापेमारी के डर से हथियार को दूसरी जगह छिपा देते थे।

10 से 15 हजार में बेचते थेः गिरोह के सदस्य फोन पर ऑर्डर लेते थे। मांग के अनुसार, प्रतिदिन चार से पांच कट्टों का निर्माण कर तुरंत

♦ चिकसौरा का मिस्त्री समेत 4 अरेस्ट

उनकी आपूर्ति कर देते थे। यह गिरोह नालंदा, धनरूआ, बख्तियारपुर और पटना सहित आसपास के जिलों में सक्रिय था। एक कट्टे के लिए 10 से 15 हजार रुपए लिए जाते थे। जिसकी कीमत कट्टे की गुणवत्ता, ग्राहक की हैसियत और बट के प्रकार (लकड़ी या स्टील) पर निर्भर करती थी। कट्टा बनाने वाले मिस्त्री चिकसौरा के रहने वाले थे, जो इलाके में अपने काम के लिए जाने जाते थे। पुलिस को अब इस अंतरराज्यीय हथियार सप्लायर गिरोह के सरगना की तलाश में है। पुलिस गिरोह के सदस्यों से पूछताछ में नेटवर्क और हथियार निर्माण के लिए रॉ मटेरियल की सप्लाई के बारे में भी जानने में जुटी है।

पटना में थाने पर महिला का हाई वोल्टेज ड्रामा, पति से बोली- उसके साथ सुकून से हूं

एजेंसी, पटना

पटना में बुद्धा कॉलोनी इलाके से 6 महीने पहले(24 नवंबर 2025) दो बच्चों की मां लापता हो गई थी। काफी खोजबीन के बाद कहीं पता नहीं चला। जिसके बाद पति ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। 25 नवंबर को केस रजिस्टर्ड हुआ। महिला के साथ दो मासूम बच्चे भी थे। जिसे लेकर पुलिस की ओर से पूरा एफर्ट लगाया गया। खोजबीन शुरू की गई तो पता चला कि महिला लगातार लोकेशन बदल रही है। आखिरी लोकेशन 6 महीने के बाद बेंगलुरु में मिली। वहां टीम ने रेड की। उससे पहले महिला थाने पर दोनों बच्चों के साथ पहुंच गई। पूछताछ में पता चला कि अपने प्रेमी के साथ घर से भागी थी।

थाने पर चला हाई वोल्टेज ड्रामाः सूचना मिलते ही पति, उसके मायके वाले और प्रेमी के घरवाले आ गए। इसके बाद जमकर हाई वोल्टेज ड्रामा चला। पति और महिला भी एक दूसरे के आमने-सामने आए। महिला ने साफ तौर पर पति को कह दिया कि वो गुमशुदा नहीं थी। अपने प्रेमी के साथ थी। अब उसी के साथ सुकून से हूं। अब किसी से मतलब नहीं है। मायके पक्ष के लोगों ने भी काफी समझाने की कोशिश की, लेकिन उस पर कोई असर नहीं हुआ। प्रेमी के साथ रहने की जिद्द पर अड़ी रही।

कोर्ट में दर्ज कराया गया बयानः रिकवरी के बाद

शनिवार को बुद्धा कॉलोनी थाने की पुलिस की ओर से महिला को पटना सिविल कोर्ट में प्रोड्यूस किया गया है। महिला मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में अपना बयान दर्ज कराया। थानेदार अरुण कुमार ने बताया कि स्टेटमेंट के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।

मकान मालिक के बेटे के साथ भागी थीः पति दो साल पहले गयाजी से अपने दो बच्चों समेत पत्नी को पटना लेकर आया था। यहां आने के बाद गांधी मैदान इलाके में मोबाइल दुकान में काम करने लगा। इससे घर परिवार खुशहाल चल रहा था। इसी बीच पत्नी को मकान मालिक के शादीशुदा बेटे से नजदीकी बढ़ी और दोनों फरार हो गए। अब महिला मकान मालिक के बेटे के साथ रहने की जिद्द पर अड़ी है।

पटना में घायल मरीज एंबुलेंस में दर्द से कराहता रहा

एजेंसी, पटना

पटना के सरकारी अस्पताल में लापरवाही का मामला सामने आया है। सामान्य चोट में भी मरीज को एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल रेफर किया जा रहा है। जिससे 'गोल्डन ऑवर' में इलाज पर संकट गहरा गया है। शुक्रवार को दानापुर निवासी रंजन कुमार(35) सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। सिर में गहरी चोट लगी थी और लगातार ब्लीडिंग हो रहा था। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें न्यू गार्डिनर रोड अस्पताल पहुंचाया गया। परिजनों और एंबुलेंस कर्मियों के अनुसार, अस्पताल में सही तरीके से प्राथमिक उपचार नहीं मिला। सिर पर टांके नहीं लगाए गए। केवल ड्रेसिंग कर मरीज को पीएमसीएच रेफर कर दिया गया।

घायल को एंबुलेंस से पीएमसीएच लाया गया, लेकिन वहां भी उन्हें तुरंत एडमिट नहीं किया गया। एंबुलेंस कर्मियों ने आरोप लगाया कि कंट्रोल रूम और संबंधित कर्मचारियों ने मरीज को 'लावारिस'

बताकर भर्ती करने से इनकार कर दिया। कर्मचारियों ने मरीज को एनएमसीएच ले जाने की सलाह दी। इस दौरान मरीज एक घंटे से अधिक समय तक पीएमसीएच परिसर में एंबुलेंस पर ही पड़ा रहा।

मरीज दर्ज से कराता रहाः सिर में चोट के कारण वह दर्द से कराह रहा था, लेकिन उनका इलाज शुरू नहीं हो सका। मरीज पूरी तरह होश में थे और अपना नाम-पता भी बता रहे थे, इसके बावजूद भर्ती प्रक्रिया शुरू नहीं की गई। कंट्रोल रूम से लेकर कई अधिकारियों तक संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन कोई भी मरीज को भर्ती कराने की जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं था। इलाज शुरू होने में हुई देरी ने अस्पताल प्रशासन की संवेदनहीनता पर सवाल खड़े कर दिए।

अधीक्षक के हस्तक्षेप के बाद शुरू हुआ इलाजः मामले की जानकारी जब पीएमसीएच अधीक्षक डॉ. राजीव कुमार सिंह तक पहुंची, तब उनके हस्तक्षेप के बाद घायल मरीज को इमरजेंसी वार्ड में भर्ती किया गया। इसके बाद उसका इलाज शुरू हो सका। उन्होंने कहा कि मरीज के सिर में गंभीर नहीं बल्कि सामान्य चोट थी। उसका इलाज किसी भी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र या सामान्य सरकारी अस्पताल में किया जा सकता था। उन्होंने माना कि राजधानी के कई अस्पताल छोटे-छोटे मामलों को भी सीधे पीएमसीएच भेज देते हैं, जिससे यहां गंभीर मरीजों के इलाज पर असर पड़ता है। पीएमसीएच पहले से ही गंभीर और जटिल मरीजों के अत्यधिक दबाव रहता हैं। ऐसे में सामान्य मामलों की संख्या बढ़ने से इमरजेंसी सेवाओं पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है और गंभीर मरीजों को समय पर उपचार देने में कठिनाई होती है।

बिहार में खनन माफियाओं पर सख्ती की तैयारी

एजेंसी, पटना

बिहार में अवैध खनन और बिना वैध कागजात के खनिज परिवहन पर रोक लगाने के लिए खान एवं भूतत्व विभाग बड़े स्तर पर तकनीकी बदलाव की तैयारी में है। विभाग अगस्त महीने से एक नई डिजिटल निगरानी और कार्रवाई प्रणाली लागू करने की योजना बना रही है, जिसके तहत जिलों में तैनात खान निरीक्षकों को हैंडहेल्ड डिजिटल मशीनें उपलब्ध कराई जाएंगी। इन मशीनों की मदद से निरीक्षक मौके पर ही जांच कर सकेंगे। चालान काट सकेंगे और जुर्माने की राशि भी तत्काल वसूल कर सकेंगे। विभाग का मानना है कि इस नई व्यवस्था से अवैध खनन, ओवरलोडिंग और बिना चालान खनिज परिवहन जैसी गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सकेगा। साथ ही कार्रवाई की प्रक्रिया तेज, पारदर्शी और जवाबदेह बनेगी।

अवैध खनन पर सख्ती की तैयारीः राज्य सरकार लंबे समय से अवैध खनन और खनिजों के अवैध परिवहन को रोकने के लिए लगातार अभियान चला रही है। इसके बावजूद कई इलाकों में बिना अनुमति खनन और नियमों की अनदेखी कर खनिज ढुलाई की शिकायतें सामने आती रही हैं। ऐसे मामलों में कार्रवाई तो होती है, लेकिन कई बार प्रक्रिया लंबी होने के कारण उसका प्रभाव अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंच पाता। इसी चुनौती को देखते हुए खान एवं भूतत्व विभाग ने कार्रवाई को पूरी तरह डिजिटल बनाने का फैसला किया है। विभागीय सूत्रों के अनुसार इस व्यवस्था को लेकर उच्च स्तर पर चर्चा हो चुकी है और अंतिम मंजूरी मिलने के बाद इसे पूरे राज्य में लागू किया जाएगा।

मौके पर ही होगी वाहन और दस्तावेजों की जांचः नई प्रणाली लागू होने के बाद खान निरीक्षक खनिज लदे वाहनों की जांच के दौरान हैंडहेल्ड मशीन का उपयोग करेंगे। मशीन के माध्यम से वाहन संख्या, खनिज की मात्रा, परिवहन चालान, परमिट और अन्य आवश्यक दस्तावेजों का सत्यापन किया जा सकेगा। यदि जांच के दौरान किसी वाहन के पास वैध कागजात नहीं पाए जाते हैं या खनिज परिवहन नियमों का उल्लंघन सामने आता है, तो निरीक्षक तुरंत डिजिटल चालान जारी कर सकेंगे। इससे कार्रवाई के लिए अलग से कागजी प्रक्रिया पूरी करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

अगस्त से डिजिटल निगरानी सिस्टम लागू होने की उम्मीद, जांच से जुर्माना तक, सब कुछ ऑनलाइन होगा

ओवरलोडिंग और बिना चालान परिवहन पर रहेगा विशेष फोकसः खनन विभाग की नजर खास तौर पर उन वाहनों पर रहेगी जो निर्धारित सीमा से अधिक खनिज लेकर चल रहे हैं या बिना वैध चालान के खनिज परिवहन कर रहे हैं। विभाग का मानना है कि ऐसे मामलों से सरकार को राजस्व का नुकसान होता है और खनन नियमों की भी अनदेखी होती है। नई डिजिटल व्यवस्था के जरिए ऐसे वाहनों की पहचान तुरंत हो सकेगी और उनके खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जा सकेगी। इससे नियमों का पालन सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

जुर्माने की राशि भी मौके पर होगी जमा

नई व्यवस्था की सबसे बड़ी खासियत यह होगी कि नियम उल्लंघन करने वालों को जुर्माना जमा कराने के लिए सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। डिजिटल मशीन के माध्यम से मौके पर ही जुर्माने की राशि जमा कराई जा सकेगी। इससे न केवल समय की बचत होगी बल्कि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी बनेगी। नकद लेन-देन की संभावना कम होगी और सभी भुगतान का डिजिटल रिकॉर्ड सुरक्षित रहेगा।

मुख्यालय से होगी रियल टाइम मॉनिटरिंग

खनन विभाग इस पूरी प्रणाली को ऑनलाइन मॉनिटरिंग नेटवर्क से जोड़ने की तैयारी में है। इसका फायदा यह होगा कि किसी भी जिले में की गई कार्रवाई की जानकारी तत्काल विभागीय मुख्यालय तक पहुंच जाएगी। वरिष्ठ अधिकारी यह देख सकेंगे कि किस जिले में कितने वाहनों की जांच हुई, कितने चालान जारी किए गए और कितनी राशि जुर्माने के रूप में वसूल की गई।

संक्षिप्त समाचार

फर्जी न्यायालयीय आदेश अपलोड कर दाखिल-खारिज प्रक्रिया प्रभावित करने की कोशिश, एफआईआर दर्ज होगी

बीएनएम @ मोतिहारी। भूमि सुधार उप समाहर्ता (डीसीएलआर), सदर मोतिहारी द्वारा किए गए निरीक्षण एवं दस्तावेजों के सत्यापन के दौरान दाखिल-खारिज प्रक्रिया में फर्जी दस्तावेजों के उपयोग का मामला सामने आया है। जांच में पाया गया कि कुछ व्यक्तियों द्वारा कथित रूप से फर्जी न्यायालयीय आदेशों का सहारा लेकर अनुचित लाभ लेने का प्रयास किया जा रहा था। डीसीएलआर के निरीक्षण में यह तथ्य सामने आया कि न्यायालय, भूमि सुधार उप समाहर्ता, सदर मोतिहारी के नाम पर फर्जी दाखिल-खारिज अपील वाद संख्या 788/2023-24 एवं 789/2023-24 को ऑनलाइन अपलोड कर दाखिल-खारिज प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिश की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए संबंधित व्यक्तियों, ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया से जुड़े कथित मध्यस्थों तथा अन्य अज्ञात लोगों की भूमिका की जांच शुरू कर दी गई है। प्रशासन द्वारा मामले में शामिल लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराने की कार्रवाई की जा रही है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि भूमि अभिलेखों एवं न्यायालयीय आदेशों से संबंधित किसी भी प्रकार की जालसाजी गंभीर अपराध की श्रेणी में आती है। ऐसे मामलों में दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध विधि सम्मत कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

आबकारी विभाग ने शराब तस्कर गिरफ्तार को किया गिरफ्तार, 51 लीटर अवैध शराब बरामद।

बीएनएम @ रक्सौल। रक्सौल आबकारी थाना की टीम ने गुप्त सूचना पर शनिवार को सघन जांच-अभियान चलाकर एक शराब कारोबारी को अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किया है। आबकारी थाना प्रभारी सोनू कुमार ने बताया कि सूचना मिली थी कि नेपाल से अवैध शराब लाई जा रही है, जिस पर रास्ते में जाँच अभियान चलाया गया।जांच के दौरान एक आपाची मोटरसाइकिल (रजिस्ट्रेशन नंबर बीआर 05 एपी 9819) को रुकवाकर जांच की गई। मोटरसाइकिल की तलाशी में नेपाल निर्मित कस्तूरी देसी शराब 300 मिलीलीटर की 140 बोतल बरामद हुई, जो कुल मिलाकर 42 लीटर बनती है, तथा किंगफिशर कैन बीयर 500 मिलीलीटर के 18 कैन बरामद हुए, जो 9 लीटर हैं। कुल बरामद शराब मात्रा 51 लीटर है। साथ ही उक्त मोटरसाइकिल को भी जप्त कर लिया गया।आबकारी टीम ने गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान सुगौली थाना क्षेत्र के सुगाव निवासी नंदू साह के पुत्र प्रियांशु कुमार के रूप में की है। प्रियांशु के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। आबकारी थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की आगे की जांच जारी है और आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

डीपीओ ने विद्यालयों का किया औचक निरीक्षण, शिक्षकों को किया सम्मानित

बीएनएम @ अरेराज। जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (डीपीओ) मोतिहारी नित्यम गौरव ने अरेराज प्रखंड के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय भेलानारी का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय की व्यवस्था एवं शैक्षणिक गतिविधियों का जायजा लिया। विद्यालय की विधि व्यवस्था और शैक्षणिक कार्यों से संतुष्ट होकर डीपीओ ने प्रभारी प्रधानाध्यापक मदन मोहन नाथ तिवारी सहित सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने विद्यालय में शिक्षा की गुणवत्ता बनाए रखने और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। निरीक्षण के क्रम में डीपीओ ने राजकीय मध्य विद्यालय मुंडा, जीएमएस झखरा, उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालय गोविंदगंज तथा उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालय जितवारपुर का भी निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर शिक्षक संतोष कुमार तिवारी, जीवन ज्योति, हितेश उपाध्याय, प्रदीप कुमार, रमाशंकर पंडित तथा शिक्षिकाएं कुमारी ऋतंभरा, कुमारी किरण मिश्रा, रूपा मिश्रा समेत अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित थीं।

ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार युवक की मौत, परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

बीएनएम @ रामगढ़वा। थाना क्षेत्र के आमोदेई स्थित शिवशक्ति मिल के समीप शनिवार दोपहर एक भीषण सड़क दुर्घटना में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान आदापुर प्रखंड के कलवारी मजहरिया गांव निवासी 35 वर्षीय शाहिद इकबाल उर्फ मुन्ना मियां, पिता शमसुद्दीन अंसारी के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मुन्ना मियां अपनी ग्लैमर बाइक (बीआर 05 आर 6945) से अपनी बहन के घर जा रहे थे। इसी दौरान आमोदेई के निकट शिवशक्ति मिल के पास सामने से आ रहे एक अनियंत्रित ट्रक ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वह बाइक समेत ट्रक के पहियों की चपेट में आ गए और घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर जुट गए। हादसे के बाद कलवारी मजहरिया गांव समेत आसपास के क्षेत्रों में शोक की लहर दौड़ गई। बताया जाता है कि मृतक चार भाइयों में दूसरे स्थान पर थे और परिवार के भरण-पोषण की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभा रहे थे। उनके परिवार में पत्नी और तीन छोटे बच्चे हैं। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना पर पहुंची रामगढ़वा थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने दुर्घटना में शामिल ट्रक को जब्त कर चालक को हिरासत में ले लिया है। मामले में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि आमोदेई और शिवशक्ति मिल के आसपास का यह मार्ग अक्सर सड़क दुर्घटनाओं का केंद्र बना रहता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से इस मार्ग पर यातायात सुरक्षा के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की है।

मादक पदार्थों के अवैध व्यापार,भंडारण, परिवहन एवं इसके सेवन के विरुद्ध नियमित छापामारी करें- जिलाधिकारी

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल एवं पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात की संयुक्त अध्यक्षता में शनिवार को (NCORD) नार्को-कोऑर्डिनेशन की जिला स्तरीय बैठक का आयोजन शहर के समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन भवन सभागार में किया गया। उक्त बैठक में जिलाधिकारी श्री जोरवाल ने कहा कि मादक पदार्थों के अवैध व्यापार, इसके भंडारण एवं परिवहन तथा मादक पदार्थों के सेवन के विरुद्ध प्रभावी नियंत्रण हेतु आपसी समन्वय स्थापित कर नियमित कार्रवाई की जाए एवं पकड़े गए लोगों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करें। जिला के सीमावर्ती अनुमंडल खासकर रक्सौल तथा ढाका के क्षेत्र में पुलिस एवं सीमा सुरक्षा बल (एस.एस.बी) के पदाधिकारियो के द्वारा विशेष सतर्कता बरतते हुए संयुक्त छापामारी अभियान नियमित संचालित किया जाए। बैठक में अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिंहा, जिला परिवहन पदाधिकारी निवेदिता कुमारी, जिला भू अर्जन पदाधिकारी अरुण कुमार, समादेष्टा 71वीं बटालियन, 20वीं बटालियन एवं 47वीं बटालियन, सभी अनुमंडल पदाधिकारी, औषधि नियंत्रक, जिला कृषि पदाधिकारी, वन प्रमंडल पदाधिकारी, अधीक्षक मद्य निषेध, डीपीओ आईसीडीएस, शिक्षा एवं स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारी तथा प्रतिनिधि नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो मोतिहारी उपस्थित थे। इस बैठक में उपस्थित कमांडेंट 47वीं बटालियन सशस्त्र सीमा बल रक्सौल के द्वारा बताया गया कि पुलिस के साथ सशस्त्र सीमा बल की ज्वाइंट ऑपरेशन में पिछले एक माह में गांजा, स्मैक चरस पकड़ा गया है। इस बीच दो तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया है। तस्करी में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कार्रवाई चल रही है। सीमावर्ती क्षेत्र में सतर्कता बढ़ाने एवं अंतर जिला समन्वय को और सुदृढ़ करने पर बोल दिया गया है। कमांडेंट 71वीं बटालियन सशस्त्र सीमा बल पिपरा कोठी के द्वारा बताया गया कि स्थानीय पुलिस के सहयोग से नार्कोटिक्स के 08 केश दर्ज कराए गए हैं और नौ व्यक्तियों की गिरफ्तारी की गई है। उन्होंने बताया कि ड्रग्स दुकानों पर भी छापेमारी की गई है। जिला कृषि पदाधिकारी मनीष कुमार के द्वारा बताया गया कि उर्वरक के अवैध व्यापार के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। पिछले एक माह में 323 छापेमारी की गई है इस दौरान 18 मामलों में अनियमितता पाई गई जिसमें 8 के विरुद्ध प्राथमिक की दर्ज कराई गई है।पिछले एक माह में पांच दुकानों की अनुज्ञप्ति रद्द की गई है तथा तीन दुकानों की अनुज्ञप्ति को निलंबित किया गया है। इस बीच 07 उर्वरक विक्रेताओं से स्पष्टीकरण मांगा गया है। बैठक में उपस्थित अनुमंडल पदाधिकारी रक्सौल, अनुमंडल पदाधिकारी ढाका एवं पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय के द्वारा भी की इस माह की गई कार्रवाई की विस्तृत जानकारी दी गई। जिलाधिकारी के द्वारा निर्देश दिया गया कि सीमा सुरक्षा बल स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर तस्करी विरुद्ध अभियान चलाए। जिला कृषि पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि बॉर्डर एरिया में खाद के दुकानों के स्टॉक वेरिफिकेशन नियमित रूप से किया जाए। जिला कृषि पदाधिकारी के द्वारा बताया गया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में नया लाइसेंस नहीं दिया जा रहा है और जांच कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने बताया कि चार-पांच लोगों को चिन्हित किया गया है जो बार-बार गड़बड़ी कर रहे हैं। उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई के लिए पुलिस प्रशासन के साथ अभियान चला कर जेल भेजने की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने कहा कि निरोधात्मक कार्य में लगे हुए पदाधिकारी स्थानीय थाना को सूचना निश्चित रूप से दें और एक दूसरे के साथ समन्वय बनाकर कार्य करें। उन्होंने कहा कि मादक पदार्थों का चलन युवा वर्ग में तेजी से बढ़ रहा है जिसका उनके स्वास्थ्य, उनके परिवार और समाज पर इसका बुरा प्रभाव देखने को मिल रहा है। इसके विरुद्ध जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन की संयुक्त कार्रवाई अपेक्षित है।

मिशन अन्नपूर्णा रसोई का 213वां आयोजनः 400 जरूरतमंदों को कराया गया भरपेट भोजन

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। सेवा और मानवता की अनूठी मिसाल पेश करते हुए देवराहा बाबा गुरुकुल आश्रम सेवा परिषद एवं सीता देवी ओंकार नाथ जालान सेवा संस्थान के सेवकों ने शनिवार को बापूधाम मोतिहारी रेलवे स्टेशन परिसर में मिशन अन्नपूर्णा रसोई के तहत निःशुल्क भोजन वितरण कार्यक्रम का 213वां सफल आयोजन किया। इस दौरान करीब 400 जरूरतमंद लोगों को भरपेट भोजन उपलब्ध कराया गया। कार्यक्रम में आजीवन सहयोगी विनोद जालान ने कहा कि संस्था के सभी सेवक समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं, जो निस्वार्थ भाव से जरूरतमंदों की भूख मिटाने के लिए अपना समय, श्रम और संसाधन समर्पित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि "भोजन सेवा मानवता की सबसे बड़ी मिसाल है। निस्वार्थ भावना से की गई सेवा ही सच्ची ईश्वर सेवा है।" अन्नपूर्णा रसोई के सेवक एवं सामाजिक कार्यकर्ता राम भजन ने बताया कि प्रत्येक शनिवार की भांति इस बार भी जरूरतमंदों के बीच चावल, सब्जी एवं सलाद का वितरण किया गया। उन्होंने कहा कि संस्था का उद्देश्य किसी भी जरूरतमंद को भूखा न रहने देना है और यह सेवा निरंतर जारी रहेगी। कार्यक्रम के दौरान सेवकों ने पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ भोजन वितरण किया। इस अवसर पर रविंद्र कुमार, गुड्डू कुमार, अमित कुमार, रामचंद्र प्रसाद सहित अन्य सेवक उपस्थित रहे। मानव सेवा के इस पुनीत अभियान को स्थानीय लोगों ने सराहा और इसे समाज में करुणा, सहयोग एवं सेवा भावना को बढ़ावा देने वाली प्रेरणादायी पहल बताया।

रक्सौल थाना पहुंचे डीआईजी हर किशोर राय, लंबित कांडों की समीक्षा की

बीएनएम @ रक्सौल

रक्सौल। चंपारण रेंज के पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) हर किशोर राय ने शनिवार को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत रक्सौल थाना का वार्षिक एवं औचक निरीक्षण किया। थाना परिसर पहुंचने पर जिला पुलिस बल के जवानों ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया। इसके बाद उन्होंने थाना परिसर की साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था, पुलिस बैरक तथा मालखाने का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जवानों की टर्नआउट और शारीरिक फिटनेस की भी जांच की गई। डीआईजी ने पुलिसकर्मियों को फिट रहने की सलाह देते हुए कहा कि बेहतर पुलिसिंग के लिए शारीरिक रूप से स्वस्थ रहना आवश्यक है। उन्होंने ओवरवेट जवानों को नियमित व्यायाम करने और संतुलित आहार अपनाने का निर्देश दिया। बैरक एवं अन्य व्यवस्थाओं के निरीक्षण के बाद डीआईजी ने थाना के पुलिस पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में विभिन्न कांडों के अनुसंधान, अपराधियों की गिरफ्तारी तथा लंबे समय से लंबित मामलों की स्थिति की बिंदुवार समीक्षा की गई। उन्होंने कहा कि कांडों के अनुसंधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से मामलों के निष्पादन का निर्देश दिया। पत्रकारों से बातचीत में डीआईजी ने बताया कि युवा आईपीएस अधिकारी हेमंत कुमार सिंह वर्तमान में रक्सौल थाना में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। निरीक्षण का एक उद्देश्य उनके प्रशिक्षण कार्यों की समीक्षा करना भी था, ताकि यह आकलन किया जा सके कि उन्होंने जमीनी स्तर पर पुलिसिंग के विभिन्न पहलुओं को किस प्रकार आत्मसात किया है। उन्होंने थाना में अनुशासन बनाए रखने और गंभीर आपराधिक मामलों के त्वरित निष्पादन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी जारी किए। इस अवसर पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मनीष आनंद सहित कई पुलिस अधिकारी और जवान उपस्थित थे।

दलाई लामा को मोतिहारी आने का निमंत्रण, एमजीसीयू कुलपति ने की सौजन्य भेंट

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय (एमजीसीयू), बिहार के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने हाल ही में परम पावन 14वें दलाई लामा से सौजन्य भेंट कर उन्हें विश्वविद्यालय परिसर, मोतिहारी के भ्रमण हेतु सादर आमंत्रित किया। यह मुलाकात विश्वविद्यालय के लिए गौरव और प्रेरणा का विषय मानी जा रही है। भेंट के दौरान कुलपति ने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उपलब्धियों, भावी योजनाओं, नवाचारों तथा भारतीय ज्ञान परंपरा और वैश्विक उत्कृष्टता के समन्वय के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दलाई लामा को दी। उन्होंने मोतिहारी की ऐतिहासिक महत्ता का उल्लेख करते हुए बताया कि यह वही भूमि है, जहां महात्मा गांधी ने चंपारण सत्याग्रह के माध्यम से सत्य, अहिंसा और सामाजिक परिवर्तन का संदेश दिया था। कुलपति प्रो. श्रीवास्तव ने दलाई लामा को विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों एवं बुद्धिजीवियों के साथ संवाद करने का निमंत्रण देते हुए कहा कि उनका आगमन युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा तथा शांति, नैतिक नेतृत्व, आध्यात्मिक चिंतन और मानवीय मूल्यों के प्रति नई चेतना का संचार करेगा। यह महत्वपूर्ण मुलाकात विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ती पहचान को भी रेखांकित करती है। विश्वविद्यालय प्रशासन का मानना है कि प्रतिष्ठित वैश्विक व्यक्तित्वों और शिक्षाविदों के साथ सार्थक संवाद के माध्यम से संस्थान शैक्षणिक उत्कृष्टता, सामाजिक उत्तरदायित्व और मानवीय मूल्यों के संवर्धन की दिशा में निरंतर अग्रसर है। विश्वविद्यालय परिवार ने इस अवसर पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए आशा जताई है कि निकट भविष्य में परम पावन दलाई लामा का चंपारण की ऐतिहासिक धरती पर आगमन होगा, जिससे संपूर्ण शैक्षणिक समुदाय लाभान्वित एवं प्रेरित होगा।

विशेष छापेमारी में 500 लीटर अर्धनिर्मित शराब विनष्ट

बीएनएम @ मोतिहारी/केसरिया

मोतिहारी/केसरिया। बीजधरी थाना पुलिस ने अवैध शराब के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत सुन्दरापुर मुशहरी टोला में विशेष छापेमारी अभियान चलाया। इस दौरान विभिन्न स्थानों पर कार्रवाई करते हुए करीब 500 लीटर अर्धनिर्मित शराब को नष्ट किया गया। थानाध्यक्ष सीमा कुमारी के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई में पुलिस टीम ने शराब निर्माण में प्रयुक्त सामग्री एवं भट्ठियों की भी जांच की। पुलिस की मौजूदगी में अर्धनिर्मित शराब को मौके पर ही विनष्ट कर दिया गया। थानाध्यक्ष सीमा कुमारी ने बताया कि क्षेत्र में अवैध शराब निर्माण, भंडारण और बिक्री के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शराब कारोबार में संलिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी तथा किसी भी सूरत में अवैध गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि अवैध शराब निर्माण या बिक्री की सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने और शराबबंदी कानून को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए नियमित छापेमारी अभियान जारी रहेगा।

7 हजार का इनामी शराब कारोबारी गिरफ्तार

बीएनएम @ हरसिद्धि

हरसिद्धि। हरसिद्धि थाना पुलिस ने उत्पाद अधिनियम से जुड़े मामलों में वांछित 7 हजार रुपये के इनामी अभियुक्त अशोक सहनी को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार अभियुक्त अशोक सहनी, हीरानंद सहनी का पुत्र तथा दामोवृति गांव का निवासी है। वह हरसिद्धि थाना कांड संख्या 861/25 के तहत वांछित था। गिरफ्तारी के बाद उसके विरुद्ध अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि अशोक सहनी लंबे समय से पुलिस की गिरफ्त से फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही थी। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए उसे दबोच लिया। पुलिस के अनुसार अशोक सहनी का उत्पाद अधिनियम से जुड़े कई मामलों में आपराधिक इतिहास रहा है। उसके विरुद्ध हरसिद्धि थाना में वर्ष 2022 और 2023 के दौरान दर्ज कई उत्पाद कांडों में प्राथमिकी दर्ज है। इसके अलावा वह हरसिद्धि थाना कांड संख्या 186/26 में भी वांछित था। इस कार्रवाई में थानाध्यक्ष सुनील कुमार के नेतृत्व में पुलिस पदाधिकारी अविनाश कुमार, बनफल अक्षय कुमार, प्रितम कुमार, फुल कुमार महलदार तथा अजय कुमार शामिल थे। पुलिस ने बताया कि क्षेत्र में अवैध शराब कारोबार के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा।

जिला परिषद की सामान्य बैठक में सख्त तेवरः अतिक्रमणकारियों और बकायेदार किरायेदारों पर होगी कार्रवाई

» 16.53 करोड़ से अधिक मुनाफे के बजट पर जताई खुशी, बाढ़ पूर्व तैयारियां पूरी करने का निर्देश

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। नगर के जिला परिषदीय महात्मा गांधी सभा भवन में शुक्रवार को जिला परिषद, पूर्वी चम्पारण की सामान्य बैठक जिला परिषद अध्यक्ष ममता राय की अध्यक्षता में संपन्न हुई। उक्त बैठक में अनुपस्थित अधिकारियों के प्रति कड़ा रुख अपनाते हुए अध्यक्ष ने मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी को उनके विरुद्ध कारण पृच्छा करने तथा आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित विभागों को सूचित करने का निर्देश दिया। इस बैठक में जीप अध्यक्ष श्रीमती राय ने कहा कि जिला परिषद की अधिकांश भूमि पर अतिक्रमणकारियों ने कब्जा कर रखा है। ऐसे भूखंडों की पहचान कर ली गई है और शीघ्र ही जिलाधिकारी के सहयोग से अतिक्रमण हटाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि वर्षों से किराया बकाया रखने वाले जिला परिषद के किरायेदारों को भी चिन्हित कर लिया गया है। उनके विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई करते हुए आवंटन रद्द किया जाएगा तथा बिहार जिला परिषद भू-संपदा लीज नीति के तहत आवंटन, एकरारनामा और नवीकरण की प्रक्रिया लागू की जाएगी। अध्यक्ष ने पशुपालन, विद्युत, समेकित बाल विकास परियोजना (आईसीडीएस), आयुष्मान योजना तथा सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में जन आवश्यकता के अनुरूप एंटी रैबीज वैक्सीन की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही आईसीडीएस पदाधिकारियों को सेविका-सहायिकाओं के घरों पर संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों को तत्काल सरकारी भवनों में स्थानांतरित करने को कहा। वहीं बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए गैर-योजना मद में 16 करोड़ 53 लाख रुपये से अधिक अधिशेष (मुनाफे) के बजट पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए श्रीमती राय ने कहा कि जिला परिषद को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में यह बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने बताया कि जिले के सात स्थानों पर जिला परिषद के डाक बंगला का जीर्णोद्धार कराया जा रहा है, जो परिषद के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि साबित होगा। बरसात के मौसम को देखते हुए अध्यक्ष ने सभी संबंधित विभागों को संभावित बाढ़ से पूर्व आवश्यक तैयारियां पूरी करने, जर्जर सड़कों की मरम्मत कराने तथा नालों की सफाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जिला परिषद पूर्वी चम्पारण के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है और यह अभियान लक्ष्य प्राप्ति तक जारी रहेगा। बैठक में जिला परिषद की उपाध्यक्ष गीता देवी, विधायक राजेश कुमार उर्फ बब्लू गुप्ता, विधायक विशाल शाह, शिक्षा समिति के अध्यक्ष ईश्वरचंद्र मिश्रा, लोक कार्य समिति के अध्यक्ष दिलीप कुमार सहित जिला परिषद के अनेक सदस्य, विभिन्न प्रखंडों के प्रमुख, उप विकास आयुक्त -सह- मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार, अपर मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी करूणा नंद पुरुषोत्तम तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

पर्यावरण जागरूकता सप्ताह का शुभारंभ, छात्रों को दिया हरियाली और जल संरक्षण का संदेश

बीएनएम @ हरसिद्धि। प्रखंड क्षेत्र के प्रजापति +2 उच्च विद्यालय, कनछेदवा में शनिवार को पर्यावरण जागरूकता सप्ताह का शुभारंभ एक विचार गोष्ठी के साथ किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य श्याम सुंदर सिंह ने की। गोष्ठी का विषय प्रवेश विद्यालय के वरीय शिक्षक शमसाद अली ने किया। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण की वर्तमान आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का बोध कराया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए इनोवेटर प्रमोद स्टीफेन, कार्यक्रम संयोजक अजहर हुसैन अंसारी, अधिवक्ता ऐनुल हक़ तथा समाजसेवी प्रभात जी ने पर्यावरण संरक्षण, पारिस्थितिक संतुलन और जैव विविधता के महत्व पर विस्तार से अपने विचार रखे। वक्ताओं ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन के कारण पर्यावरण गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। ऐसे में प्रत्येक व्यक्ति को प्रकृति संरक्षण के लिए आगे आना होगा। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों के साथ प्रश्नोत्तरी एवं संवाद सत्र का भी आयोजन किया गया, जिसमें पर्यावरण पारिस्थितिकी और जैव विविधता (Biodiversity) जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहन चर्चा हुई। छात्रों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपने विचार एवं जिज्ञासाएं साझा कीं। वक्ताओं ने विद्यार्थियों से अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने, जल संरक्षण को जीवन का हिस्सा बनाने तथा पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हरियाली और जल संचय ही आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की सबसे बड़ी गारंटी है। कार्यक्रम के अंत में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता फैलाने और अपने आसपास स्वच्छ एवं हरित वातावरण बनाने का सामूहिक संकल्प लिया गया। विद्यालय परिवार एवं विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार युवक की दर्दनाक मौत

बीएनएम @ रामगढ़वा। थाना क्षेत्र के आमोदेई स्थित शिवशक्ति मिल के समीप शनिवार दोपहर एक भीषण सड़क दुर्घटना में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान आदापुर प्रखंड के कलवारी मजहरिया गांव निवासी 35 वर्षीय शाहिद इकबाल उर्फ मुन्ना मियां, पिता शमसुद्दीन अंसारी के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, मुन्ना मियां अपनी ग्लैमर बाइक से बहन के घर जा रहे थे। इसी दौरान आमोदेई के निकट शिवशक्ति मिल के पास सामने से आ रहे एक अनियंत्रित ट्रक ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वे बाइक समेत ट्रक के पहियों की चपेट में आ गए और घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए। घटना के बाद कलवारी मजहरिया गांव सहित आसपास के क्षेत्रों में शोक की लहर दौड़ गई। बताया जाता है कि मृतक चार भाइयों में दूसरे स्थान पर थे और परिवार के भरण-पोषण की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभाल रहे थे। उनके परिवार में पत्नी तथा तीन छोटे बच्चे हैं। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना पर पहुंची रामगढ़वा थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू की। पुलिस ने दुर्घटना में शामिल ट्रक को जब्त कर चालक को हिरासत में ले लिया है। मामले में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश देखा गया। ग्रामीणों का कहना है कि आमोदेई और शिवशक्ति मिल के आसपास का मार्ग अक्सर सड़क दुर्घटनाओं का गवाह बनता है। लोगों ने प्रशासन से इस मार्ग पर सुरक्षा के ठोस उपाय करने की मांग की है।

सीओ के जनता दरबार में कई मामलों का हुआ निपटारा

बीएनएम @ सीतामढ़ी/डुमराः अंचल कार्यालय डुमरा परिसर में शनिवार को अंचलाधिकारी (सीओ) डौली झा की अध्यक्षता में जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में विभिन्न पंचायतों एवं गांवों से बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याएं और शिकायतें लेकर पहुंचे। इस दौरान भूमि विवाद, दाखिल-खारिज, परिमार्जन, अतिक्रमण, राजस्व संबंधी मामलों समेत अन्य जनसमस्याओं से जुड़े कई आवेदन प्राप्त हुए। सीओ डौली झा ने लोगों की शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों और कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कई मामलों का मौके पर ही निष्पादन कर दिया गया, जबकि जटिल मामलों के त्वरित समाधान के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया।

सीतामढ़ी नगर निगम की सशक्त स्थायी समिति का गठन

बीएनएम @सीतामढ़ीः लंबे समय से चर्चा और राजनीतिक सरगर्मियों के बीच आखिरकार सीतामढ़ी नगर निगम की सशक्त स्थायी समिति (एम्पावर्ड स्टैंडिंग कमेटी) का गठन हो गया। समिति के लिए कुल 7 सदस्यों का चुनाव संपन्न हुआ, जिसमें तीन सदस्य निर्विरोध चुने गए, जबकि चार सीटों पर मतदान कराया गया। नवनिर्वाचित सदस्यों में अंशुल प्रकाश वात्सायन, सुधीर कुमार, ललन प्रसाद, सीमा देवी, अत्ताउल्लाह रहमान, सीमांत शेखर और नसीम अंसारी शामिल हैं। चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद पार्षद अंशुल प्रकाश, सीमांत शेखर, अताउल्लाह रहमान और सीमा देवी सहित चार पार्षद निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए। वहीं शेष सदस्यों का चयन मतदान की प्रक्रिया के माध्यम से किया गया। सशक्त स्थायी समिति नगर निगम की महत्वपूर्ण निर्णय लेने वाली समिति मानी जाती है। नगर निगम के विकास कार्यों, वित्तीय प्रस्तावों और विभिन्न प्रशासनिक मामलों में इस समिति की अहम भूमिका होती है। ऐसे में समिति के गठन को नगर निगम की राजनीति और प्रशासनिक कार्यों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

बिजली तार के संपर्क में आने से तीन घर जले, तीन भैंसें मरीं

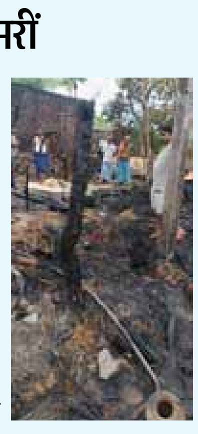

बीएनएम @ बगहाः बगहा अनुमंडल क्षेत्र के मंगलपुर औसानी पंचायत में बीती रात विद्युत तार के संपर्क में आने से आग लग गई। आग की इस घटना में तीन लोगों के घर जलकर राख हो गए। वहीं तीन भैंसों की जलने से मौत हो गई और एक भैंस गंभीर रूप से झुलस गई। जानकारी के अनुसार पंचायत के वार्ड संख्या 13 निवासी शंभू राम की तीन भैंसें आग की चपेट में आ गईं, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं इंद्राशन राम की एक भैंस झुलसकर घायल हो गई। इसके अलावा रंभू राम का घर भी पूरी तरह जल गया। आग इतनी तेज थी कि देखते ही देखते तीनों परिवारों के घर इसकी चपेट में आ गए। आग लगने से घरों में रखा राशन, कपड़ा, बर्तन और अन्य घरेलू सामान जलकर नष्ट हो गया। घटना के बाद तीनों परिवारों के सामने रहने और खाने की समस्या खड़ी हो गई है। सभी परिवार महादलित समुदाय से हैं और उनका अधिकांश सामान आग में स्वाहा हो गया। घटना की सूचना मिलने पर दमकल की टीम मौके पर पहुंची। हालांकि तब तक तीनों घर पूरी तरह जल चुके थे। बाद में दमकल कर्मियों ने आग पर नियंत्रण पा लिया, जिससे आसपास के अन्य घरों को बचा लिया गया।

हिंदी पत्रकारिता दिवस पर पत्रकारों के योगदान को किया गया याद

बीएनएम @ पताही

पताही। हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर प्रखंड क्षेत्र में पत्रकारों के योगदान को याद करते हुए उनके सामाजिक दायित्वों और लोकतंत्र को मजबूत बनाने में निभाई जा रही भूमिका की सराहना की गई। इस अवसर पर विभिन्न बुद्धिजीवियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने पत्रकारिता के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। जिहुली पंचायत के सरपंच रितेश कुमार ने कहा कि पत्रकार समाज का सजग प्रहरी होता है। वह आम लोगों की समस्याओं को प्रशासन और सरकार तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य करता है। ग्रामीण क्षेत्रों में पत्रकारों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है, क्योंकि वे सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली और जनकल्याण से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाकर जनता की आवाज बनते हैं। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष, निर्भीक और जनहितकारी पत्रकारिता लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है तथा पत्रकारों के अथक प्रयासों से समाज में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित होती है। समाजसेवी डॉ. गजेंद्र कुमार ने कहा कि हिंदी पत्रकारिता ने देश की आजादी से लेकर आज तक राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पत्रकार कठिन परिस्थितियों में भी सच्चाई को सामने लाने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि पत्रकार केवल समाचार नहीं लिखते, बल्कि समाज को दिशा देने, जनजागरूकता फैलाने और वंचित वर्गों की आवाज को बुलंद करने का भी कार्य करते हैं। आज के दौर में जब सूचनाओं की भरमार है, तब जिम्मेदार और तथ्यपरक पत्रकारिता की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। वक्ताओं ने बताया कि 30 मई 1826 को हिंदी के प्रथम समाचार पत्र उदन्त मार्तण्ड का प्रकाशन शुरू हुआ था। इसी की स्मृति में प्रत्येक वर्ष 30 मई को हिंदी पत्रकारिता दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर क्षेत्रवासियों ने सभी पत्रकारों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा जनहित और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा में उनके योगदान की सराहना की।

शिक्षा-संस्कार और सामाजिक सुधार पर हुई चर्चा

बलथारा में महिलाओं की विशेष बैठक आयोजित

बीएनएम @ समस्तीपुर

समस्तीपुर! बीडीवीएस द्वारा प्रायोजित अम्बेडकर विचार मंच के बैनर तले पटोरी यूनिट के बलथारा समुदाय में सामाजिक जागरूकता और सामुदायिक विकास को लेकर लगातार बैठकों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में शनिवार को समुदाय की महिलाओं के साथ एक विशेष बैठक आयोजित की गई, जिसमें शिक्षा, संस्कार, सामाजिक सुधार और पारिवारिक जिम्मेदारियों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई।बैठक में ग्राम संगठन अध्यक्ष रवि कुमार ने महिलाओं को परिवार और समाज के अभिभावक के रूप में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका से अवगत कराया। उन्होंने बच्चों की शिक्षा, अच्छे संस्कार, उचित लालन-पालन तथा वैवाहिक आयोजनों में प्रचलित परंपराओं में सकारात्मक बदलाव लाने की आवश्यकता पर जोर दिया। इस अवसर पर संगठन सदस्य अमर नाथ दास ने मृत्युभोज जैसी सामाजिक कुरीतियों पर चर्चा करते हुए इसे समाज से समाप्त करने की अपील की। बैठक का संचालन संगठन सचिव अमर प्रकाश के मार्गदर्शन में किया गया। ग्राम संगठन का मानना है कि इस प्रकार की बैठकों से समुदाय में सकारात्मक बदलाव लाने में मदद मिलेगी।

रामगढ़वा में सहयोग शिविर की तैयारियों का एसडीएम व बीडीओ ने लिया जायजा

बीएनएम @ रामगढ़वा

रामगढ़वा। आगामी 2 जून को आयोजित होने वाले 'सहयोग शिविर' की तैयारियों को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है। इसी क्रम में शनिवार को रक्सौल अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीएम) मनीष कुमार एवं रामगढ़वा प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) राकेश कुमार ने धनहर दिहुली पंचायत स्थित प्रस्तावित शिविर स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने शिविर स्थल पर की जा रही व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित कर्मियों को आवश्यक निर्देश दिए। एसडीएम मनीष कुमार ने कहा कि शिविर में आने वाले लोगों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने पेयजल, छाया और बैठने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने पर जोर देते हुए कहा कि भीषण गर्मी को देखते हुए किसी भी व्यक्ति को असुविधा नहीं होनी चाहिए। वहीं, बीडीओ राकेश कुमार ने विभिन्न विभागों के स्टॉल एवं काउंटर की व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि शिविर में प्राप्त आवेदनों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित किया जाए, ताकि लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर मिल सके। अधिकारियों ने बताया कि सहयोग शिविर का उद्देश्य आम नागरिकों की समस्याओं का मौके पर समाधान करना तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी और लाभ लोगों तक पहुंचाना है। उन्होंने स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों से अधिक से अधिक संख्या में शिविर में भाग लेने और इसका लाभ उठाने की अपील की।

सहयोग शिविर आवेदनों शीघ्र निष्पादन को विशेष कोषांग गठित

बीएनएम @पटना

पटना। बिहार सरकार ने सहयोग शिविरों के माध्यम से प्राप्त होने वाले आवेदनों के त्वरित और प्रभावी निस्तारण के लिए नई व्यवस्था लागू कर दी है। सरकार ने एक विशेष कोषांग (सेल) का गठन किया है, जो राज्यभर से प्राप्त आवेदनों की निगरानी करेगा और लंबित मामलों की नियमित समीक्षा करेगा। इस व्यवस्था का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि नागरिकों की समस्याओं का समाधान तय समय सीमा के भीतर हो और अनावश्यक देरी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जा सके। सरकार का मानना है कि सहयोग शिविरों में बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याएं, शिकायतें और मांगें दर्ज करा रहे हैं। ऐसे में केवल आवेदन लेना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके निष्पादन की सतत निगरानी भी आवश्यक है। इसी उद्देश्य से सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशों के अनुरूप विशेष कोषांग का गठन किया गया है। नई व्यवस्था के तहत कोषांग प्रत्येक आवेदन की स्थिति पर नजर रखेगा। जिलों से प्राप्त रिपोर्टों का विश्लेषण किया जाएगा और यह देखा जाएगा कि किस विभाग में कितने मामले लंबित हैं। यदि किसी आवेदन का निस्तारण निर्धारित समय सीमा के भीतर नहीं होता है, तो उसके कारणों की समीक्षा की जाएगी और संबंधित अधिकारियों से जवाब भी मांगा जा सकता है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि लंबित मामलों को केवल रिकॉर्ड में दर्ज कर छोड़ने की प्रवृत्ति अब स्वीकार नहीं की जाएगी। इधर, मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग ने 2 जून 2026 को राज्य के सभी जिलों में सहयोग शिविर आयोजित करने का निर्देश जारी किया है।

करार के अंदर करार

क्रिटिकल मिनरल्स के बारे में हुए समझौतों की सफलता ऐसे वित्त की व्यवस्था पर निर्भर है, जो शीघ्र मुनाफे के लिए बेचैन ना हो। साथ ही प्रतिभा एवं कौशल जुटाए जा सके, तो बेशक चीन पर निर्भरता से मुक्ति मिल सकेगी। क्वॉड के विदेश मंत्रियों की बैठक का लगभग पूरा ध्यान आधुनिक उद्योगों के लिए महत्त्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति श्रृंखला तैयार करने पर केंद्रित रहा। भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्रियों ने क्रिटिकल मिनरल्स की सुरक्षित आपूर्ति श्रृंखला बनाने के लिए सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्रों से 20 बिलियन डॉलर जुटाने का इरादा जताया। इसके अतिरिक्त भारत और अमेरिका के विदेश मंत्रियों ने इसी मकसद से एक अलग करार के फ्रेमवर्क पर दस्तखत किए। इसके तहत क्रिटिकल मिनरल्स के खनन, प्रोसेसिंग, और रिसाइक्लिंग की आपूर्ति श्रृंखलाएं बनाने के लिए दोनों देश सहयोग करेंगे। छह महीने पहले 'आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस युग के लिए सुरक्षित एवं विश्वसनीय आपूर्ति श्रृंखला' बनाने के लिए अमेरिका के नेतृत्व में पैक्स सिलिका नाम की पहल शुरू की गई थी। इसका मकसद भी क्रिटिकल मिनरल्स और सेमीकंडक्टर क्षेत्र में सहयोग कायम करना था। इन बातों से साफ है कि खासकर अमेरिका की निगाह में रेयर अर्थ सहित तमाम महत्त्वपूर्ण खनिज आज कितने अहम हैं। खास बात यह है कि इन खनिजों की दुनिया में कोई कमी नहीं है। लेकिन इनकी प्रोसेसिंग और उनसे उपयोग योग्य उत्पाद बनाने की लगभग 90 फीसदी क्षमता सिर्फ चीन के पास है। नतीजतन, चीन तमाम देशों की सामरिक एवं रणनीतिक मंशाओं पर लगाम लगाने में सक्षम बना हुआ है। अतः अमेरिका ने अब अपने नेतृत्व में वैकल्पिक आपूर्ति श्रृंखला तैयार करने में अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। मगर इन खनिजों से उपयोग लायक उत्पाद बनाना जटिल, महंगी और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली प्रक्रिया है। इसकी क्षमता हासिल करने में भी वक्त लगेगा। अमेरिका की वित्तीयकृत अर्थव्यवस्था में ऐसी परियोजनाएं लगाना कठिन हो गया है, जिनके बारे में समझा जाता हो कि उनमें "हाथ गंदे" होते हैं। इसलिए वह करार-दर करार कर रहा है। बहरहाल, ऐसे प्रोजेक्ट्स में मुनाफा होने के पहले लंबा इंतजार भी करना होता है। इसलिए ऐसे तमाम समझौतों की सफलता ऐसे वित्त की व्यवस्था पर निर्भर है, जो शीघ्र मुनाफे के लिए उतावला ना हो। साथ ही प्रतिभा एवं कौशल को तराशने की चुनौती है। ये सब जुटाए जा सके, तो निसंदेह दुनिया चीन पर निर्भरता से मुक्त हो सकेगी।

पढ़ाई और परीक्षा के बुरे दिन

अजीत द्विवेदी

इन दिनों पढ़ाई और परीक्षा के बुरे दिन चल रहे हैं। प्राथमिक विद्यालयों से लेकर उच्च शिक्षण संस्थानों तक शिक्षा की गुणवत्ता गिर गई है और बोर्ड परीक्षा से लेकर दाखिले व नौकरी के लिए होने वाली प्रतियोगिता परीक्षाओं पर संकट है। अगर पढ़ाई की बात करें तो कोविड महामारी के बाद हुए कई सर्वेक्षणों से पता चला कि बच्चों के सीखने की प्रक्रिया यानी लर्निंग प्रोसेस में गड़बड़ी हुई है। प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा की स्थिति यह है कि छठी या सातवीं के बच्चे हिंदी की 10 पंक्तियों का शुद्ध पाठ नहीं कर पाते हैं। अपने दर्जे से कई क्लास नीचे के गणित के सवाल हल नहीं कर पाते हैं।

दूसरी ओर उच्च शिक्षा का हाल यह है कि पांच साल तक एमबीबीएस की पढ़ाई करने के बाद डॉक्टर लोग एमडीकी डिग्री के लिए नीट पीजी कीपरीक्षा देते हैं तो उनको माइनस 40 तक मार्क्स आ रहे हैं। दो सौ सवाल और आठ सौ अंकों की परीक्षा में इस साल काउंसिलिंग के लिए क्वालिफाइंग परसेंटाइल शून्य कर दिया गया था। चार अंक लाने वालों का तो मेडिकल कॉलेज में दाखिला हुआ, एमडी की पढ़ाई के लिए। समझ सकते हैं कि प्राथमिक कक्षाओं से लेकर मेडिकल की पढ़ाई तक की क्या स्थिति है।

पढ़ाई के साथ साथ परीक्षा के भी बुरे दिन चल रहे हैं। इस साल हुई तीन परीक्षाओं में हुई ग़डबड़ी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि सरकार किस तरह से परीक्षा को तदर्थ ढंग से ले रही है और उसका कितना बड़ा नुकसान किशोर व युवा उम्र के छात्रों को भुगतना पड़ रहा है। सबसे ताजा मामला सीबीएसई की 12वीं की परीक्षा का है। इस बार सीबीएसई ने कॉपी जांचने के लिए ऑन स्क्रीन मार्किंग यानी ओएसएम पद्धति अपनाई। इसके तहत 17 लाख से ज्यादा छात्रों की कॉपियों के लाखों पन्ने स्कैन किए गए और उन्हें सिस्टम पर अपलोड किया गया और जांचने वालों ने स्क्रीन पर उन स्कैन की गई कॉपियों को देख कर मार्किंग की।

इतना ही नहीं इस बार ऑन स्क्रीन मार्किंग के साथ साथ मार्किंग के तरीके में भी बदलाव किया गया। पता नहीं किस भावना के तहत यह तय किया गया कि इस बार कॉपी जांचने में सख्ती होगी और मामूली गड़बड़ी पर भी नंबर काटे जाएंगे। जैसे किसी छात्र ने आठ की बजाय छह स्टेप में गणित का सवाल हल कर दिया या सभी स्टेप सही हैं परंतु जवाब में गड़बड़ी है या जवाब सही है और स्टेप्स ठीक नहीं हैं तो उनको बहुत कम अंक मिलें हैं। पहले शिक्षक इसमें थोड़ा लचीला रुख रखते थे। इस बार ऐसा नहीं है। इसको अकादमिक फैसला मान कर स्वीकार किया जा सकता है। माना जा सकता है कि अब सीबीएसई बहुत शुद्धतावादी और कट्टर रुख रखेगा।

परंतु इसके अलावा जो गड़बड़ियां हुई हैं वह व्यवस्थागत हैं। मिसाल के तौर पर लाखों पन्नों को स्कैन करके उन्हें अपलोड करते समय बहुत तरह की गड़बड़ी हुई। कई छात्रों की कॉपी का पहला पन्ना तो उनका था परंतु बाकी पन्ने दूसरे छात्र की कॉपी के थे। कई छात्रों की कॉपी के एक ही पन्ने कई बार अपलोड हो गए थे और कई पन्ने छूट गए थे। कई छात्रों की कॉपी के पन्ने ठीक तरह से स्कैन नहीं हुए और धुंधली कॉपी ही अपलोड कर दी गई। इन सारी गड़बड़ियों के बीच शिक्षकों ने पूरी सख्ती से कॉपी जांची। नतीजे आए तो बच्चों और अभिभावकों के हाथ पांव फूल गए। हजारों बच्चे ऐसे थे, जिन्होंने इंजीनियरिंग में दाखिले के लिए जेईई मेन्स की परीक्षा में 85 या 90 या उससे ज्यादा पर्सेंटाइल हासिल किया है और जेईई एडवांस के लिए क्वालिफाई कर गए लेकिन 12वीं में 75 फीसदी अंक नहीं आए, जिसकी वजह से वे आईआईटी में दाखिला के लिए जेईई एडवांस की परीक्षा नहीं दे सकेंगे। उनकी दूसरी मुश्किल यह है कि केंद्रीय विश्वविद्यालयों के अच्छे कॉलेजों में दाखिला लेने के लिए सीयूईटी की परीक्षा होती है। उसमें पर्सेंटाइल टाई होने पर 12वीं के अंक के आधार पर दाखिले में प्राथमिकता मिलती है।

तभी 12वीं बोर्ड की परीक्षा देने वाले छात्रों में से 25 फीसदी यानी चार लाख से ज्यादा छात्रों ने पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन किया। परंतु वह काम उनके लिए दुःस्वप्न की तरह था। कई दिन तक पुनर्मूल्यांकन के आवेदन के लिए बनी वेबसाइट क्रैश होती रही। पहले तो छात्रों को उसका लिंक नहीं मिला। उन्हें सीबीएसई के ट्विट से लिंक खोलना पड़ रहा था। उसके बाद रजिस्ट्रेशन कराने और फीस जमा कराने के बीच साइट क्रैश हो रही थी। ऑनलाइन आवेदन के समय कई छात्रों से बहुत ज्यादा फीस मांगी गई, जिसे लेकर बोर्ड ने कहा कि उनकी साइट हैक कर ली गई थी। अब बच्चों के पैसे लौटाने की प्रक्रिया चल रही है।

आग का दरिया पार करने जैसा काम करके बच्चों ने आवेदन कर दिया और जब कॉपी हाथ में आई तो पता चला कि उनके नाम के साथ दूसरे की कॉपी अपलोड कर दी गई है या खराब ढंग से स्कैन की गई कॉपी अपलोड की गई है या सही जवाब को भी गलत बता कर नंबर काट दिए गए हैं। सोचें, यह सारी तकलीफें जिन बच्चों से झेली है वे 17 या 18 साल के किशोर हैं। उनके कोमल मन पर हुए असर का सिर्फ अनुमान किया जा सकता है। हैरानी की बात है कि ओएसएम की पूरी प्रक्रिया बिना पायलट प्रोजेक्ट के शुरू की गई। शिक्षकों को कहा गया कि वे काम करते हुए सीखें यानी इस बैच के बच्चों को प्रयोग के लिए गिनी पिग बना दिया गया।

इससे पहले मेडिकल में दाखिले के लिए नीट की परीक्षा हुई। तीन मई को परीक्षा हुई और अगले दिन पता चल गया कि पेपर लीक हो गया था। कई दिन की जांच के बाद नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए ने परीक्षा रद्द कर दी। इसके बावजूद जब एनटीए के चेयरमैन और डीजी की पेशी संसदीय समिति के सामने हुई तो उन्होंने कहा कि उनके सिस्टम से पेपर लीक नहीं हुआ। सोचें, प्रश्न पत्र तैयार करने वाले लोग पेपर लीक में शामिल थे और सीबीआई ने उनको गिरफ्तार किया है। पर एनटीए के अधिकारी कह रहे हैं कि उनके सिस्टम से पेपर लीक नहीं हुआ। क्या प्रश्न पत्र तैयार करने वाले लोग एनटीए के सिस्टम के नहीं थे? असल में नीट यूजी परीक्षा की पूरी व्यवस्था ही तदर्थ है और ठेके पर चल रही है। अब 21 जून को फिर लाखों छात्र नए सिरे से परीक्षा देंगे। ये करीब 23 लाख छात्र भी किशोर व युवा उम्र के हैं और उनके मन पर क्या बीत रही होगी इसका भी अंदाजा लगाया जा सकता है।

तीसरी परीक्षा यूपीएससी की सबसे प्रतिष्ठित परीक्षा है। रविवार, 24 मई को इसकी प्रारंभिक परीक्षा हुई। इसमें ऐसे सवाल पूछे गए हैं, जिससे सब हैरान हैं। कई सवाल तो ऐसे हैं, जिनको देख कर लग रहा है कि रट्टा मार कर पढ़ाई करने वालों को चुनने के लिए ये सवाल तैयार किए गए हैं। कई सवाल तो पूरे के पूरे पन्ने के हैं और उनके विकल्पों को देख कर लग रहा है कि किसी ने इतना लंबा सवाल लिख कर विकल्प तैयार करने में दिमाग नहीं लगाया। कहा जा रहा है कि कोचिंग सेंटर वाले जैसी पढ़ाई कराते हैं उससे अलग सवाल पूछा गया ताकि बच्चों का कोचिंग से मोहभंग हो। क्या इससे भी मूर्खतापूर्ण कोई तर्क हो सकता है? क्या यूपीएससी को पता नहीं है कि जैसा सवाल पूछा जाएगा, कोचिंग वाले वैसी पढ़ाई कराने लगेंगे? क्या उसे यह पता नहीं है कि आईएएस, आईपीएस बनने के लिए छात्र कोचिंग करेंगे ही, चाहे कुछ भी हो जाए?

बहरहाल, पढ़ाई और परीक्षाओं को लेकर जिस तरह की घटनाएं हो रही हैं वह सरकार के तदर्थ रवैए को दिखाती हैं। ऐसा लग रहा है कि सरकार को इनकी परवाह नहीं है। ऐसी मानसिकता दिख रही है कि शिक्षा की गुणवत्ता गिरती है तो गिर जाए और परीक्षा में गड़बड़ियां होती हैं तो हो जाए। न तो स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय और न परीक्षा कराने वाली एजेंसियां संरचनागत कमियों को समझ रही हैं और न उन्हें दूर करने की कोशिश कर रही हैं। ऐसा लग रहा है कि किशोरों और युवाओं को पढ़ाई और परीक्षा से विरक्त करने का प्रयास चल रहा है। शिक्षकों की नियुक्ति में योग्यता और प्रशिक्षण की बजाय निष्ठा देखी जा रही है। एक खास विचारधारा और किसी खास भाई साहेब के करीबी होने के आधार पर नियुक्तियां हो रही हैं। शिक्षा मंत्री की नियुक्ति भी इस आधार पर है कि वे बहुत कर्मठ राजनीतिक कार्यकर्ता हैं और चुनाव प्रबंधन में उनका जवाब नहीं है। उनको जहां भेजा जाता है वहां पार्टी चुनाव जीतती है। कायदे से शिक्षा जैसा मंत्रालय किसी ऐसे व्यक्ति को मिलना चाहिए, जो शिक्षा के बारे में जानता हो, नई प्रवृत्तियों से परिचित हो और जिसकी प्रतिबद्धता देश का भविष्य गढ़ने के लिए हो।

नीट परीक्षा में सेना की सहायता : सरकार की असफलता?

सनत जैन

देश की सबसे बड़ी प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल नीट को लेकर एक बार फिर विवाद गहरा गया है। पिछले तीन वर्षों से नीट परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होने की बात सामने आती रही है। इसमें लाखों परीक्षार्थी शामिल होते हैं। परीक्षा केंद्रों पर अनियमितताएँ और लाखों छात्रों के भविष्य पर मंडराते संकट के बीच अब सरकार सेना और वायुसेना की सहायता लेने की खबर आई है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय और नीट परीक्षा आयोजित करने वाली संस्था प्रश्नपत्रों के सुरक्षित परिवहन और निगरानी के लिए सरकार सैन्य संसाधनों का उपयोग करने जा रही है। इसके पहले कभी भी सेना का उपयोग इस तरह से नहीं हुआ है। पिछले 75 वर्षों के इतिहास में जब कानून व्यवस्था की स्थिति में बहुत जरूरत होने पर ही सेना को कुछ समय के लिए तैनात किया जाता है। पहली बार परीक्षा मे सेना और वायु सेना का उपयोग होने की बात सामने आ रही है। यह निर्णय दो तरह के प्रश्न खड़े करता है। पहला, क्या सरकार की नीट की परीक्षा के प्रश्न पत्र बार-बार लीक हो रहे हैं, उसकी गंभीरता और समस्या से निपटने के लिए लिया गया है? दूसरा, क्या यह सरकार ने मान लिया है संबंधित मंत्रालय और परीक्षा आयोजित करने वाली संस्था, प्रशासन राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) अपनी जिम्मेदारी निभाने में विफल है? सरकार और उसके समर्थकों का तर्क है, लाखों परीक्षार्थियों के भविष्य की रक्षा के लिए सेना की मदद ली जा रही है, इसमें गलत क्या है।

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल के परीक्षा परिणाम को लेकर भी लाखों छात्रों का भविष्य अंधकार में हो गया है। सरकार शायद इस बात से घबरा गई है कि नीट पेपर लीक और सीबीएसई परीक्षा परिणाम को लेकर लाखों छात्र सड़क पर उतरकर अपना विरोध जाता रहे हैं। इस विरोध को दबाने के लिए तथा परीक्षार्थियों का विश्वास बना रहे। हाल के वर्षों में पेपर लीक और संगठित नकल गिरोहों ने परीक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता को लगभग समाप्त कर दिया है। इस स्थिति में छात्रों और युवाओं के विरोध को नियंत्रित करने के लिए सरकार सेना की विश्वसनीयता का सहारा लेकर इस विवाद को शांत करने की कोशिश कर रही है। छात्रों और अभिभावकों का मानना है, परीक्षा आयोजित करने की जिन्हें जिम्मेदारी दी गई है उसमें बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार होने के कारण तथा प्रवेश परीक्षाओं के माध्यम से चयनित कर करोड़ों रुपए की कमाई करने का यह नया धंधा शुरू हो गया है और यह सरकार की मिलीभगत से ही संभव हो पा रहा है। इसलिए छात्रों और अभिभावकों में भारी गुस्सा देखने को मिल रहा है।

दूसरी ओर यह सवाल भी उठने लगा है कि जब परीक्षा तक सरकार नहीं करा पा रही है, और दावे किए जा रही, अब इसको लेकर सरकार की आलोचना बड़े पैमाने पर शुरू हो गई है। सेना का काम सीमाओं की सुरक्षा करना है। नाकि प्रश्नपत्रों की ढुलाई करना तथा पेपर लीक होने से रोकना है। देश की सबसे महत्वपूर्ण परीक्षा कराने वाली संस्थाएँ इतनी कमजोर हैं अथवा वह भ्रष्ट हो चुकी हैं। परीक्षा संचालन के लिए सैन्य सहायता, प्रशासनिक असफलता का सबसे बड़ा प्रतीक भी माना जा रहा है। शिवसेना नेता संजय राउत ने इसे "गवर्नेंस फेल्योर" तथा भ्रष्ट व्यवस्था निरूपित किया है।

असल समस्या केवल प्रश्नपत्र लीक की नहीं है। पूरी परीक्षा प्रणाली भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुकी है। नीट परीक्षा के माध्यम से हर साल कोचिंग सेंटर और परीक्षा आयोजित करने वाली संस्था द्वारा करोड़ों रुपए कि भ्रष्टाचार और मिलीभगत के कई कहानियां सामने आ चुकी है। जिसमें चयन के लिए लाखों रुपए लेकर एम्स और सरकारी अस्पतालों में प्रवेश दिया गया है। इसी तरह से अन्य परीक्षाओं में भी लाखों करोड़ों रुपए लेकर उन लोगों का चयन किया जाता है जो पैसा देने में सक्षम होते हैं। इस काम में राजनीतिक हस्तक्षेप तथा जिन लोगों को यह काम सोपा गया है उन्हें प्राथमिकता और साक्षमता के अनुसार काम न देकर ऐसे लोगों को जिम्मेदारी दी गई है जो इस भ्रष्ट तंत्र को संरक्षित करने का काम करते हैं। नेशनल टेस्ट एजेंसी की स्थापना पारदर्शी और तकनीकी रूप से सक्षम परीक्षा प्रणाली के लिए की गई थी। पिछले वर्षों में लगातार विवादों और लाखों रुपए की अवैध वसूली से नेशनल टेस्ट एजेंसी की साख को भारी नुकसान हुआ है। विशेषज्ञों का मानना है, केंद्रीकृत परीक्षा व्यवस्था, कमजोर निगरानी, निजी एजेंसियों पर निर्भरता कोचिंग संस्थाओं के साथ मिली भगत और जवाबदेही तय नहीं होने से यह संकट इतना बढ़ गया है। सरकार को सेना की सहायता लेकर अपना विश्वास आम जनता के बीच में बनाना पड़ रहा है।

इस पूरे विवाद का सबसे दुखद पहलू यह है, इसका बोझ छात्रों पर पड़ रहा है। दक्षिण के राज्य लगातार इसका विरोध कर रहे हैं। नीट परीक्षा में केंद्रीयकृत भ्रष्टाचार होने का आरोप लगने लगा है। लाखों युवा वर्षों तक तैयारी करते हैं। परिवार कर्ज लेते हैं। मानसिक तनाव झेलते हैं। अंत में परीक्षा में गड़बड़ी कर अयोग्य छात्रों का प्रवेश सरकारी मेडिकल कॉलेज और एम्स में हो जाता है। यहां पर नाम मात्र की फीस लगती है। निजी मेडिकल कॉलेज की लाखों रुपए प्रतिवर्ष की फीस होती है। जिसके कारण नीट परीक्षा में हर साल करोड़ों रुपए के अवैध लेनदेन का आरोप लगने लगा है। यह केवल एक परीक्षा का संकट नहीं, बल्कि शिक्षा व्यवस्था को लेकर आमजनों में रोष देखने को मिल रहा है। सरकार यदि सेना की सहायता लेकर परीक्षा को सुरक्षित कराने में सफल भी हो जाती है, तब भी यह स्थायी समाधान नहीं है। वास्तविक सफलता तब मानी जाएगी जब ऐसी व्यवस्था बने जिसमें पारदर्शिता, तकनीकी सुरक्षा, जवाबदेही और संस्थागत क्षमता मजबूत हो। लोकतंत्र में संस्थाओं के कामकाज में पारदर्शिता और उनकी निष्पक्षता विश्वसनीय होती है। सेना की सहायता लेना सरकार और प्रशासन की असफलता का प्रतीक है प्रशासनिक कार्यों में यदि इस तरह से सेना का उपयोग होगा इससे सेना का हस्तक्षेप नागरिक प्रशासन पर बढ़ेगा। जिस तरह के हालत पाकिस्तान में है, ठीक उसी तरह के हालात भारत में भी हो सकते हैं। इस ओर सरकार तथा न्यायपालिका को ध्यान देने की जरूरत है।

मेष राशि : मेष राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आपको घर के बड़ों से कुछ प्रेरणा मिलेगी। आज आप जो भी काम शुरू करेंगे, वो सफल होगा। आज आपका स्वास्थ्य पहले से उत्तम रहेगा। रिश्तेदार आज आपको बिजनेस को बढ़ाने के लिए सुझाव देंगे। समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। बड़े बुजुर्ग आपके व्यवहार से प्रसन्न रहेंगे, लोग आपकी तारीफ करेंगे। आज आपको वाहन चलाते समय खास सावधानी बरतने की आवश्यकता है।

वृष राशिः वृष राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज पूरा दिन खुद को तरोताजा महसूस करेंगे। आपके आस पास सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी। लोग आपके व्यवहार से खुश रहेंगे। आप किसी बड़े बिजनेस ग्रुप से पार्टनरशिप करने पर विचार करेंगे। आज आपको उम्मीद से ज्यादा धन लाभ होने वाला है। कला के क्षेत्र से जुड़े लोगों का समाज में मान सम्मान बढ़ेगा। आपकी क्रिएटिविटी की लोग सराहना करेंगे। दाम्पत्य जीवन में मधुरता आएगी।

मिथुन राशिः मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। विद्यार्थियों को सफलता मिलने के योग बने हुए हैं, लेकिन पढ़ाई में और मेहनत करने की जरूरत है। आज घरवालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। ऑफिस में सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा। जूनियर आपसे काम सीखना चाहेंगे। लवमेट के साथ रिश्तों में सुधार आयेगा। आज आपको अपने कार्यों में राजनीतिक रिश्ते का फायदा मिलेगा।

कर्क राशिः कर्क राशि वालों आज आपका दिन सामान्य रहने वाला है। आज पैसों के लेन देन में सावधानी बरतें। नौकरी कर रहे लोगों को आज अपना काम पूरा करने के लिए थोड़ा अधिक मेहनत करने की जरूरत है। छात्रों को प्रतियोगी परीक्षा का बेहतर परिणाम मिलेगा। स्वास्थ्य के लिहाज से आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

सिंह राशिः सिंह राशि वालों आज पूरे दिन भाग्य आपके साथ रहेगा। आज किसी अनजान व्यक्ति के सहयोग से आपका मन प्रसन्न रहेगा। लवमेट आज अपने रिश्ते के बारे में घरवालों को बताएंगे, घरवाले इस पर विचार भी करेंगे। इस राशि के कैमिस्ट शॉप वाले लोगों को अच्छा मुनाफा होगा।

कन्या राशिः कन्या राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आपको सरकारी कामों में कुछ लोगों से राय मिलेगी, जिससे आपका काम आसान हो जायेगा। आपका पुराना दोस्त आपको फोन कर के सरप्राइज देगा। आपकी किसी जरूरी बात पर घर वाले सहमति जतायेंगे। तरक्की आज आपके कदम चूमेगी। आपको अपना कारोबार बढ़ाने के लिए आज कई मौके मिलेंगे। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों को आज अच्छी खबर मिलेगी।

तुला राशिः तुला राशि वालों आज का दिन मिली जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आप सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेंगे। घर पर ही परिवारवालों के साथ धार्मिक कार्यों का आयोजन करेंगे। आज आपकी तरक्की के कई रास्ते खुलेंगे। ऑफिस के काम को थोड़ा संभलकर करने की जरूरत है। आपके काम की शिकायत हो सकती है।

वृश्चिक राशिः वृश्चिक राशि वालों आज आपको किसी अपने से अच्छी खबर मिलने के योग बने हुए हैं। आज आप अपने घरेलू कार्यों को पूरा करने में सफल होंगे। आज आपके सकारात्मक रवैये से जीवनसाथी प्रसन्न रहेंगे। जीवनसाथी के साथ किसी धार्मिक स्थल पर दर्शन करने जायेंगे। मार्केटिंग की जॉब कर रहे लोगों से आज अच्छा क्लाइंट जुड़ेगा, जो भविष्य में अच्छा धन लाभ कराएगा। नये प्रोजेक्ट को पूरा करने में अधिकारियों का सहयोग मिलेगा।

धनु राशिः धनु राशि वालों आज का दिन जीवन में मील का पत्थर साबित होगा। आज व्यापार में किसी ऐसी कंपनी के साथ डील फाइनल होगी, जो आपको उम्मीद से अधिक फायदा करायेगी। वकीलों के लिये आज का दिन अच्छा रहेगा, नया केस हाथ लगेगा। दाम्पत्य जीवन में खुशहाली आएगी। जीवनसाथी के साथ अच्छी मूवी देखने का मन बनायेंगे।

मकर राशिः मकर राशि वालों आज आपका दिन ठीक ठाक रहने वाला है। आज आपको किसी भी प्रकार के विवादों से दूर रहने की आवश्यकता है। आज बिना सोचे समझे किसी अजनबी पर भरोसा ना करें। इस राशि के छात्रों को आज ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी।

कुंभ राशिः कुंभ राशि वालों आज आपके हर परेशानी का हल चुटकियों में निकल जायेगा। ऑफिस में आप किसी प्रोजेक्ट के लिये अपनी बेहतरीन राय देंगे। बॉस आपके काम की तारीफ करेंगे। आज आप लेखन कार्यों में रुचि लेंगे। आपका लेखन और अच्छा होगा। आज आपकी बातें दूसरों पर प्रभाव डालेंगी।

मीन राशिः मीन राशि वालों आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। बड़े निर्णय लेने के लिए दिन अच्छा है। किसी नयी बिजनेस डील के लिए ऑफर मिलेगा। आप जीवनसाथी के साथ घर के कार्यों को पूरा करने में व्यस्त रहेंगे। मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्रों के लिए दिन अच्छा है। बेटी के ससुराल पक्ष से बड़ी खुशखबरी मिलेगी। बच्चे आज अपनी पढ़ाई के प्रति सीरियस रहेंगे।

जिमखाना पर इतना क्या शोक मनाना!

अजीत द्विवेदी

जिमखाना क्लब की 27.3 एकड़ जमीन की लीज केंद्र सरकार ने समाप्त कर दी है और क्लब को नोटिस भेज दिया गया है कि पांच जून तक इसे खाली कर दिया जाए। आधिकारिक रूप से कहा गया है कि सुरक्षा की दृष्टि से कुछ बुनियादी ढांचे का निर्माण होना है, जिसके लिए सरकार को यह जमीन चाहिए। दूसरी ओर क्लब के सदस्य इस नोटिस के खिलाफ अदालत पहुंचे हैं। हालांकि किसी को असल कारण पता नहीं है कि जिमखाना क्लब क्यों हटाया जा रहा है। इसलिए सब अपनी तरफ से कोई न कोई कारण बता रहे हैं। पहले उनकी बात करते हैं, जो फैसले के खिलाफ हैं और इसे हटाए जाने के कारण बता रहे हैं। जैसे किसी ने कहा कि प्रधानमंत्री हमेशा अपने को असुरक्षित महसूस करते हैं इसलिए वे जिमखाना क्लब को प्रधानमंत्री के आवासीय कॉम्पलेक्स के अंदर लेना चाहते हैं। किसी ने कहा कि जिमखाना क्लब में होने वाली पार्टियों से लोक कल्याण मार्ग में रहने वालों को परेशानी होती है। इसलिए खाली कराया जा रहा है। इसके आगे किसी ने कहा कि मौजूदा निजाम के कुछ बड़े लोगों को सदस्यता नहीं मिली, जबकि राहुल गांधी इसके सदस्य हैं इस खुन्नस में खाली कराया जा रहा है। किसी ने कहा कि पुरानी तमाम चीजों से मौजूदा सत्ता को परेशानी है इसलिए खाली कराया जा रहा है।

इसके बरक्स एक समूह ऐसे लोगों का है, जो इसे हटाए जाने का स्वागत कर रहे हैं। उनमें से किसी ने कहा कि यह ब्रिटिश साम्राज्य की निशानी है इसलिए इसको हटाया जाना चाहिए। किसी ने कहा कि अंग्रेजों ने भारतीयों को अपमानित करने के लिए ऐसे क्लब बनाए थे और ये क्लब गुलामी का प्रतीक हैं इसलिए इनको हटा दिया जाना चाहिए। फिर किसी ने इसमें जोड़ा कि वामपंथी लोगों के बौद्धिक विलास का अड्डा है इसलिए हटना चाहिए। कुछ लोगों ने कहा कि दारूबाजी का अड्डा है इसलिए हटना चाहिए। दिल्ली सरकार के एक मंत्री ने कहा कि किसानों से जमीन मांगी जाती है तो वे दे देते हैं इसलिए एलिट जमात को भी इसे खाली कर देना चाहिए। इस तरह राजधानी दिल्ली में पिछले कुछ दिनों से इस बात पर चकल्लस है कि जिमखाना क्लब रहना चाहिए या हटना चाहिए। सरकार के लिए यह चकल्लस बहुत सुविधाजनक है क्योंकि इससे अटेंशन डिवाइड होता है। पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में बढ़ोतरी, महंगाई, नीट पेपरलीक, 12वीं के छात्रों की परेशानियों आदि के बीच जब जिमखाना जैसे मुद्दे आ जाते हैं तो सरकार के लिए ठीक ही रहता है। हो सकता है कि इसे हटाने का फैसला पहले से किया गया हो। लेकिन नोटिस भेजने की टाइमिंग तो निश्चित रूप से अटेंशन डिवाइड करने की योजना का हिस्सा है।

यह बहुत दिलचस्प है कि जिमखाना क्लब हटाने के पक्ष में जो तर्क दिए जा रहे हैं वो बेहद लचर और बचकाने हैं। जैसे सबसे मजबूत तर्क यह है दिल्ली के एलिट लोगों का, विशेषाधिकार प्राप्त समूह का क्लब है, जहां आम आदमी की एंट्री नहीं है। और इसलिए इसका कोई वास्तविक लाभ नहीं है। इस तर्क के आधार पर तो दिल्ली के सारे क्लब बंद हो जाएंगे क्योंकि सब अभिजात्य और विशेषाधिकार प्राप्त समूहों के लिए ही हैं। कस्तूरबा गांधी मार्ग पर एक और विनय मार्ग पर दो बड़े क्लब हैं। सीएसओई क्लब, जो दिल्ली और भारत सरकार के अधिकारियों के लिए हैं। वहां भी आम आदमी की एंट्री नहीं होती है। इंडिया इंटरनेशनल सेंटर और इंडिया हैबिटेट सेंटर में भी आम आदमी की एंट्री नहीं होती है। रायसीना रोड पर चेम्सफोर्ड क्लब और जनपथ पर मैसोनिक क्लब में भी आम आदमी नहीं जा सकता है। दिल्ली गोल्फ क्लब भी एक्सक्लूसिव है, एयरपोर्ट ऑथोरिटी का क्लब और रफी मार्ग पर स्थित कांस्टीट्यूशन क्लब भी विशिष्ठ लोगों के लिए ही है। तो क्या इस आधार पर कि इन क्लबों में कुछ सार्थक नहीं होता है, ये मनोरंजन की जगह हैं और आम आदमी की एंट्री नहीं होती है इसलिए इन सबको हटा दिया जाए? पूर्व सांसदों के लिए संसद से लेकर कांस्टीट्यूशन क्लब तक बैठने की जगह है, पूर्व सैन्य अधिकारियों के लिए सशस्त्र बलों के मेस हैं और अर्धसैनिक बलों के लिए भी है लेकिन पूर्व अधिकारियों के लिए कोई एलीट क्लब नही हो सकता है!

इसी तरह का एक तर्क ब्रिटिश काल में बने होने का है। इसका क्या अर्थ है? ब्रिटिश काल में बना था तो क्या अंग्रेज इसके लिए अपनी जमीन, अपना ईट, बालू, सीमेंट लेकर आए थे? क्या उनके मजदूर इसे बनाने आए थे? भारत की जमीन पर, भारत के पैसे से, भारत के मजदूरों के खून, पसीने से ही इसका निर्माण हुआ। अगर इस तर्क को मानें कि अंग्रेजी राज की सारी निशानी मिटा देनी है तो फिर लुटियन की दिल्ली के सारे बंगलों को भी तोड़ना पड़ेगा। इंडिया गेट से लेकर गेटवे ऑफ इंडिया तक को ध्वस्त करना होगा। आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया से लेकर महापंजीयक तक की संस्थाओं को समाप्त करना होगा क्योंकि वह सब भी अंग्रेजों ने बनाया था।

एक बेहूदा तर्क यह है कि जिमखाना क्लब दारू का अड्डा है और प्रधानमंत्री के आवास के पास ऐसा अड्डा नहीं चलने दिया जा सकता है। यह तर्क सरकार के एक सलाहकार महोदय की ओर से सबसे जोर शोर से दिया जा रहा है। अगर दारू का अड्डा के नाम पर इसे हटाने का फैसला होगा तो प्रेस क्लब और चेम्सफोर्ड क्लब का क्या होगा, जो संसद भवन के ठीक सामने हैं? प्रधानमंत्री आवास से ज्यादा शुचिता तो संसद भवन की होनी चाहिए! इस तर्क से तो सशस्त्र बलों से लेकर अर्धसैनिक बलों के लिए बने मेस तक को दारू का अड्डा घोषित किया जा सकता है। क्या सलाहकार महोदय को पता है कि और लुटियन की दिल्ली के अनेक बंगले होंगे, जहां दारू पी जाती होगी या दारू पार्टी होती होगी। कई बंगले प्रधानमंत्री आवास के आसपास ही होंगे। तो क्या इस आधार पर सबको तोड़ दिया जाए? वैसे यह सवाल भी है कि अगर अधिकारियों, पूर्व अधिकारियों या एलीट के लिए 27 एकड़ का क्लब नहीं हो सकता है तो केंद्र सरकार के मंत्री तीन तीन एकड़ के बंगलों में क्यों रहेंगे? उस जगह का भी तो सार्वजनिक इस्तेमाल हो सकता है!

हां, सुरक्षा का मामला हो सकता है। प्रधानमंत्री की सुरक्षा सबसे ऊपर है। अब स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप यानी एसपीजी सिर्फ प्रधानमंत्री की ही सुरक्षा के लिए है। पहले तो पूर्व प्रधानमंत्रियों और उनके परिजनों को भी एसपीजी की सुरक्षा मिलती थी लेकिन अब यह सिर्फ प्रधानमंत्री की सुरक्षा के लिए है। यह संयोग है कि आजादी के बाद से प्रधानमंत्री वहीं रहे, जहां जिमखाना क्लब है। तीन मूर्ति हो या एक, सफदरजंग हो या सात, लोक कल्याण मार्ग हो, सब जिमखाना के आसपास ही हैं और कभी इसकी वजह से कोई सुरक्षा चुनौती पैदा हुई हो इसकी खबर नहीं है। ऊपर से प्रधानमंत्री तो अब वहां से शिफ्ट भी होने वाले हैं। प्रधानमंत्री इन्क्लेव का निर्माण कार्य चल रहा है, जो 15 एकड़ में बन रहा है। इसलिए सुरक्षा का मामला भी ज्यादा तार्किक नहीं लग रहा है।

कुल मिला कर कर निष्कर्ष यह है कि प्रधानमंत्री को लगा कि जिमखाना बंद कर देना चाहिए तो बंद हो जाएगा। जैसे यह लगा कि नया संसद भवन बनना चाहिए तो बना। लगा कि इंदिरा गांधी नेशनल सेंटर ऑफ आर्ट एंड कल्चर या निर्माण भवन आदि टूटने चाहिए तो सब टूट गए। योजना आयोग का नाम नीति आयोग होना चाहिए तो हो गया। यह तो प्रधानमंत्री की मर्जी है। कभी किसी प्रधानमंत्री को लगेगा कि ललित कला अकादमी या संगीत नाटक अकादमी या साहित्य अकादमी आदि अनुत्पादक जगहें हैं और एलिट जमात के बौद्धिक विलास का अड्डा हैं तो वह उनको तुड़वा देगा। उनकी जगह अपने हिसाब से वह कुछ ज्यादा उपयोगी निर्माण कराएगा। यह सब तो चलता रहता है। इससे समस्या नहीं है। समस्या इसको जस्टिफाई करने के लिए दिए जाने वाले तर्कों से है।

दूसरी ओर जिमखाना क्लब न हटाया जाए इसके तर्क भी बहुत बचकाना और अतार्किक हैं। उनमें कोई दम नहीं है। वहां खेल कूद का आयोजन होता है या 50 फीसदी सदस्य सेना के रिटायर लोग हैं या सरकार से रिटायर लोग वहां के सदस्य हैं, यह ऐतिहासिक है आदि आदि। इनका कोई अर्थ नहीं है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

शुभमन आईपीएल प्लेऑफ में सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी बने

एजेंसी, मोहाली

गुजरात टाइटंस के कपतान शुभमन गिल ने राजस्थान रॉयल्य के खिलाफ दूसरे क्वालिफायर मुकाबले में शतकीय पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिलाने के दौरान एक अहम रिकार्ड भी अपने नाम किया है। शुभमन ने अपनी पारी में 47 गेंदों पर ही 100 रन बना दिये। इससे वह आईपीएल प्लेऑफ में सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गये हैं।

इस मैच में 215 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए गिल ने यह मैच विजेता पारी खेली, जिसने गुजरात फाइनल में पहुंची। इस मुकाबले में शुभमन ने 53 गेंदों में 104 रन बनाये। इसमें 15 शानदार चौके और तीन छक्के शामिल थे। यह आईपीएल में शुभमन का कुल पांचवां शतक है, जबकि कप्तान के तौर पर इस लीग में यह उनका दूसरा शतक है। इस दौरान उनकी और साई सुदर्शन के बीच हुई पहले विकेट के लिए 160 रन की साझेदारी हुई। इस शतक के साथ ही शुभमन आईपीएल प्लेऑफ के इतिहास में सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गये। इस प्राकर उन्होंने अपना ही पिछला रिकॉर्ड तोड़ा, जो उन्होंने 2023 सीजन में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 129 रन की पारी के दौरान 49 गेंदों में बनाया था। शुभमन से पहले, रिद्धिमान साहा ने साल 2014 और रजत पाटीदार ने साल 2022 में प्लेऑफ में 49 गेंदों में शतक लगाये थे पर शुभमन ने इस शतक से सबको पीछे छोड़ दिया।

शुभमन अब प्लेऑफ मुकाबलों में दो शतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी भी बन गए हैं। उनका पहला प्लेऑफ शतक भी 2023 के दूसरे क्वालिफायर में ही आया था। यह गुजरात टाइटंस के लिए भी सबसे तेज आईपीएल शतक है, जिसमें उन्होंने अपने ही 2023 के रिकॉर्ड (49 गेंदों में शतक) को बेहतर किया।

एक कप्तान के तौर पर आईपीएल प्लेऑफ में शतक लगाने वाले शुभमन गिल पहले खिलाड़ी हैं। उनकी और साई सुदर्शन की पहले विकेट के लिए 160 रन की रिकॉर्ड-तोड़ साझेदारी ने गुजरात की जीत की राह बनी। इस जोड़ी ने 2011 के फाइनल में माइकल हसी और मुरली विजय द्वारा बनाए गए 159 रन की साझेदारी के रिकॉर्ड को ध्वस्त किया। इसके अलावा, यह टी20 क्रिकेट में दोनों के बीच 11वीं शतकीय साझेदारी थी, जो क्रिस गेल और विराट कोहली के 10 शतकीय साझेदारियों के रिकॉर्ड से आगे निकल गई।

रॉयल्स के बाहर होने से वैभव के लिए दुखी हुए अश्विन

कप्तान और सीनियर खिलाड़ियों के खराब प्रदर्शन पर भड़के

एजेंसी, चेन्नई

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के क्वालीफायर-2 में गुजरात टाइटंस से हार के साथ ही राजस्थान रॉयल्स की टीम बाहर हो गयी। रॉयल्स के बाहर होने से पूर्व क्रिकेटर आर अश्विन निराश हैं। उनका कहना है कि इस सत्र में वैभव सूर्यवंशी ने असाधारण प्रदर्शन कर टीम को खिताब मुकाबले का दावेदार बना दिया था। पर रियान पराग की गलती से उसके हाथों से ये अवसर निकल गया। अश्विन ने कहा कि वह वैभव के लिए दुखी हैं क्योंकि उसकी मेहनत बेकार हो गयी। वहीं अश्विन ने टीम के सीनियर

खिलाड़ियों और कप्तान रियान पराग की जमकर आलोचना करते हुए कहा कि इन लोगों की गलती से टीम बाहर हुई है। वैभव ने अपने बल पर रॉयल्स को यहां तक पहुंचाया। नॉकआउट चरण में उनकी बल्लेबाजी बेहद प्रभावशाली रही। एलिमिनेटर मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ उन्होंने 97 रनों की धुआंधार पारी खेली, जबकि क्वालीफायर-2 में गुजरात टाइटन्स के सामने भी उन्होंने 96 रन बनाए। पूरे टूर्नामेंट में वैभव ने लगभग 800 रन बनाकर अपने को साबित किया पर अन्य बल्लेबाजों ने उनकी मेहनत पर पानी फेर दिया। अश्विन ने कहा, मैं मायूस हूं, क्योंकि उन्होंने आईपीएल 2026 में बहुत शानदार खेल दिखाया। लेकिन मेरे लिए सबसे खास बात वह पारी थी जो उन्होंने क्वालीफायर-2 में खेली। बेशक, किस्मत ने उनका थोड़ा साथ दिया, लेकिन पिच गेंदबाजों की मदद कर रही थी। उन्होंने मोहम्मद सिराज, कागिसो रबाडा और जेसन होल्डर जैसे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों का सामना किया। उन्हें थोड़ी किस्मत का साथ मिला और एक कैच भी गिरा पर जिस प्रकार उन्होंने बल्लेबाजी की उसकी जितनी सराहना की जाये कम है। अश्विन ने रॉयल्स के अन्य खिलाड़ियों के प्रदर्शन को निराशाजनक बताया। उन्होंने कहा, मैं जानता हूं कि गुजरात के कप्तान शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने अच्छी बल्लेबाजी की थी पर रॉयल्स के अन्य बल्लेबाजों ने वैभव का साथ नहीं दिया। क्वालीफायर-2 में हार के बाद वैभव काफी भावुक हो गए थे। अश्विन ने कहा कि एक 15 साल का लड़का हमेशा टीम को मैच जिताने के बारे में सोचता है।

अपनी अलग पहचान बनाना चाहते हैं स्पिन ऑलराउंडर हर्ष दुबे

एजेंसी, नागपुर

उभरते हुए स्पिन ऑलराउंडर हर्ष दुबे अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट और तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम में जगह पाने से उत्साहित है और इसमें बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार हैं। हर्ष को पहली बार बार भारतीय टीम में शामिल किया गया है। हर्ष के अनुसार वह अपने अनुसार खेलना चाहते हैं। किसी का विकल्प बनने का उनका प्रयास नहीं है। माना जा रहा है कि इस स्पिनर को अनुभवी ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा को आराम दिये जाने के कारण शामिल किया गया है। इस युवा ने कहा है कि वही कड़ी मेहनत

के बल पर अपनी खुद की पहचान बनाना चाहते हैं। दुबे ने कहा, 'अभी मैं इस टेस्ट मैच को किसी भी अन्य मैच की तरह ही ले रहा हूं। मैं खुद पर बहुत अधिक दबाव नहीं डालना चाहता। मैं बस अपनी काबिलियत पर भरोसा रखना चाहता हूं और वही करते रहना चाहता हूं जो मेरे लिए हमेशा कारगर रहा है।' हर्ष ने कहा कि वह इस अवसर को एक खिलाड़ी के तौर पर आगे बढ़ने में मददगार मानते हैं और उनका पूरा ध्यान मौका मिलने पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर है, न कि भविष्य के बारे में बहुत अधिक सोचने पर। बाएं हाथ के स्पिनर के अलावा हर्ष बल्लेबाजी में भी पीछे नहीं हैं। इस क्रिकेटर ने अब तक 95 मुकाबलों में 198 विकेट लिए हैं और 27 प्रथम श्रेणी मैचों में 1000 से अधिक रन बनाए हैं। वह अपने को एक ऑलराउंडर के रूप में देखते हैं। उन्होंने अपने पहले पूर्ण आईपीएल सत्र के अनुभव को भी साझा किया, जहां उन्होंने आठ मैचों में आठ विकेट लिए।

हार्दिक पांड्या सहित कई बड़े खिलाड़ियों को बाहर कर सकती है मुम्बई इंडियंस : रिपोर्ट

एजेंसी, मुम्बई। आईपीएल में मुंबई इंडियंस की कप्तानी कर रहे हार्दिक पांड्या की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। टीम की हार के बाद उनका अपना प्रदर्शन भी उम्मीद के अनुरुप नहीं रहा है। ऐसे में एक रिपोर्ट के अनुसार आने वाले सत्र में मुम्बई टीम उन्हें शायद ही रिटेन करे। इस सत्र में मुम्बई केवल चार मैच जीतकर 8 अंक हासिल करने में सफल रही है। इससे टीम अंक तालिका में नौवें स्थान पर रहे। पिछले सत्र में भी उनकी कप्तानी में टीम असफल रही थी। ऐसे में मुंबई इंडियंस अब अगले सत्र के लिए बड़े बदलाव कर सकती है। इसके तहत कप्तान सहित कई स्टार खिलाड़ियों को बाहर किया जा सकता है। रिपोर्टों के अनुसार, मुंबई इंडियंस के करीबी सूत्रों का भी मानना है कि हार्दिक से कप्तानी छीनी जा सकती है। टीम में उनकी केवल एक खिलाड़ी के रूप में भूमिका पर भी चर्चा हो सकती है। टीम प्रबंधन और कोचिंग स्टाफ इस असफलता के बाद गहन विचार विमर्श के दौर से गुजर रहा है।

आईपीएल 2026 : वैभव ऑरेंज कैप, रबाडा पर्पल कैप की दौड़ में सबसे आगे

एजेंसी, मोहाली

आईपीएल के 19 वें सत्र का खिताबी मुकाबला रविवार को होने वाला है। इसमें गत विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का मुकाबला गुजरात टाइटंस (जीटी) से होगा। अब तक इस सत्र में सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप की रेस में राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी सबसे आगे हैं। वैभव की टीम रॉयल्स भले ही टर्नामेंट से बाहर हो गयी है पर दूसरे क्वालीफार में बनाये 96 रनों के साथ ही उनक अब तक इस सत्र में सबसे अधिक 776 रन हो गये

हैं। वैभव के पीछे ऑरेंज कैप की दौड़ में गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने भी कोई कसर नहीं छोड़ी। आरआर के खिलाफ 53 गेंदों में 104 रनों की लाजवाब शतकीय पारी खेलकर उन्होंने अपनी टीम को जीत दिलाई और अब 15 मुकाबलों में 722 रनों के साथ दूसरे पायदान पर हैं। गिल के सलामी जोड़ीदार साई सुदर्शन भी कम नहीं रहे, जिन्होंने 16 मुकाबलों में 710 रन बनाकर तीसरे स्थान पर अपना कब्जा जमाया है। सनराइजर्स हैदराबाद के विस्फोटक विकेटकीपर-बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन 15 मुकाबलों में 624 रनों के साथ चौथे और मुंबई इंडियंस के ईशान किशन 602 रनों के साथ पांचवें नंबर पर मौजूद हैं, जो इस सीजन की बल्लेबाजी की गहराई को दर्शाता है। दूसरी ओर सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप की दौड़ में गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा नंबर एक पर पहुंच गये हैं।

बिजनेस

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने 2025–26 में 1.98 लाख करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया

डीएफएस सचिव ने 2025-26 के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के प्रदर्शन की समीक्षा की

एजेंसी, नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) ने वित्त वर्ष 2025–26 में 1.98 लाख करोड़ रुपये का अब तक का सबसे ज्यादा कुल शुद्ध लाभ हासिल किया, जिसमें कुल कारोबार 12.8 फीसदी बढ़कर 283.3 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया।

वित्त मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के सचिव एम. नागराजू ने शुक्रवार को नई दिल्ली में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के मजबूत प्रदर्शन की समीक्षा के लिए आयोजित एक बैठक में उसके व्यापक प्रदर्शन का मूल्यांकन किया।

मंत्रालय के मुताबिक वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) सचिव, एम. नागराजू ने आज सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) की एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की, ताकि वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान प्रमुख परिचालन, वित्तीय और रणनीतिक प्राथमिकताओं के क्षेत्र में उनके प्रदर्शन और प्रगति का आकलन किया जा सके।

वित्त मंत्रालय के मुताबिक इस समीक्षा बैठक में प्रदर्शन की मुख्य बातें जो है, उसमें पीएसबी ने वित्त वर्ष 2025-26 में 1.98 लाख करोड़ रुपये का अब तक का सबसे अधिक शुद्ध लाभ अर्जित किया है, जबकि इस वित्त वर्ष में बैंकों का कुल कारोबार 283 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जबकि जीएनपीए ऐतिहासिक रूप से अपने सबसे निचले स्तर 1.93 फीसदी पर रहा।

मंत्रालय के मुताबिक समीक्षा बैठक के दौरान "आपकी पूंजी, आपका अधिकार" नामक एक 'कॉफी टेबल बुक' का विमोचन किया गया, जिसमें लावारिस वित्तीय संपत्तियों का पता लगाने और उन्हें वापस दिलाने की दिशा में किए जा रहे राष्ट्रव्यापी प्रयासों पर प्रकाश डाला गया है। इसके साथ ही नागरिकों के साथ जुड़ाव और सूचना के प्रसार को बेहतर बनाने के उद्देश्य से, बहुभाषी और सुलभता सुविधाओं से युक्त डीएफएस की एक नई वेबसाइट भी लॉन्च की गई।

वित्त मंत्रालय के अनुसार इस बैठक में वित्तीय सेवा विभाग के विशेष सचिव, डीएफएस के वरिष्ठ अधिकारी, भारतीय स्टेट बैंक के चेयरमैन, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी और कार्यकारी निदेशकों ने भाग लिया।

भारत ने अपनी 2026 की अध्यक्षता के तहत ब्रिक्स एमएसएमई सहयोग को आगे बढ़ाया

एजेंसी, नई दिल्ली

ब्रिक्स देशों ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए टेक्नोलॉजी तक पहुंच और इनोवेशन में सहयोग पर चर्चा की। भारत की अध्यक्षता में ब्रिक्स सदस्य देशों के बीच आयोजित बैठक में चर्चा "एमएसएमई के लिए नवाचारों और प्रौद्योगिकी व्यावसायीकरण का लाभ उठाने" के विषय पर केंद्रित रही। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा कि मंत्रालय ने इस सप्ताह 'नई औद्योगिक क्रांति पर ब्रिक्स साझेदारी' (पार्टएनआईआर) ट्रैक के तहत एसएमई कार्य समूह की दूसरी बैठक आयोजित की, जिसमें ब्रिक्स अर्थव्यवस्थाओं में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए प्रौद्योगिकी तक पहुंच और नवाचार को बेहतर बनाने पर चर्चा केंद्रित रही। मंत्रालय ने बताया कि 4 अप्रैल, 2026 को आयोजित प्रथम एसएमई कार्य समूह की बैठक के बाद एमएसएमई मंत्रालय ने 26 मई को ब्रिक्स पार्टएनआईआर

ट्रैक के तहत "एमएसएमई के लिए प्रौद्योगिकी तक पहुंच बढ़ाना" विषय पर द्वितीय एसएमई कार्य समूह की बैठक सफलतापूर्वक आयोजित की। बैठक में ब्रिक्स सदस्य देशों के बीच चर्चा "एमएसएमई के लिए नवाचारों और प्रौद्योगिकी के व्यावसायीकरण का लाभ उठाना" और "एमएसएमई प्रौद्योगिकी अपनाने के लिए उद्योग-तैयार मानव संसाधन के कौशल उन्नयन और विकास" पर केंद्रित रही। मंत्रालय के मुताबिक इस बैठक में ब्रिक्स सदस्य देशों की सक्रिय भागीदारी रही और इसने अनुभवों और सर्वोत्तम विधियों के आदान-प्रदान करने के लिए एक मंच प्रदान किया। साथ ही आर्थिक वृद्धि, रोजगार सृजन, नवाचार और समावेशी विकास में एमएसएमई की भूमिका को भी रेखांकित किया। इन चर्चाओं में क्षेत्रीय और वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में एमएसएमई के एकीकरण को समर्थन देने के लिए अधिक डिजिटल समावेशन, मजबूत नवाचार क्षमताओं और बेहतर प्रौद्योगिकीय तत्परता के जरिए प्रौद्योगिकी के अंतर को पाटने के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता पर बल दिया गया। इस बैठक में प्रौद्योगिकी तक पहुंच, नवाचार इको-सिस्टम और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के लिए कौशल विकास में ब्रिक्स देशों की अर्थव्यवस्थाओं के बीच गहन सहयोग के महत्व पर भी जोर दिया गया। इन विचार-विमर्शों ने समान विकासात्मक चुनौतियों का सामना कर रहे देशों के बीच मूल्यवान नीतिगत आदान-प्रदान को संभव बनाया और ब्रिक्स देशों की अर्थव्यवस्थाओं में सुदृढ़, समावेशी और वैश्विक रूप से स्तर प्रतिस्पर्धी एमएसएमई क्षेत्रों के निर्माण के लिए साझा प्रतिबद्धता को और मजबूत किया। मंत्रालय ने कहा कि यह बैठक अत्यंत सफल और फलदायी रही, जिसने सार्थक विचार-विमर्श को बढ़ावा दिया, ब्रिक्स सदस्य देशों के बीच सहयोग को मजबूत किया और ब्रिक्स देशों की अर्थव्यवस्थाओं में एमएसएमई के लिए प्रौद्योगिकीय पहुंच तथा क्षमता निर्माण को आगे बढ़ाने के लिए बहुमूल्य सुझाव दिए। एमएसएमई मंत्रालय ने कहा कि ब्रिक्स पार्टएनआईआर ट्रैक के तहत "एमएसएमई के लिए प्रौद्योगिकी तक पहुंच बढ़ाना" विषय पर दूसरी एसएमई कार्य समूह बैठक का सफलतापूर्वक आयोजन किया। उल्लेखनीय है कि नई औद्योगिक क्रांति के लिए ब्रिक्स साझेदारी (पार्टएनआईआर) के तहत एसएमई कार्य समूह का नेतृत्व भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्रालय द्वारा किया जा रहा है।

इंडिगो को वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में 2,536.9 करोड़ रुपये का घाटा

एजेंसी, नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो ने वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च (चौथी तिमाही) के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 31 मार्च को समाप्त चौथी तिमाही में इंडिगो को 2,536.9 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में एयरलाइन को 3,067.5 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। कंपनी के शुक्रवार को बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में चुनौतीपूर्ण परिचालन परिस्थितियों, रुपये की विनिमय दर में तेज गिरावट और अन्य कारणों से 2,536.9 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ है। इंडिगो ने बताया कि

जनवरी-मार्च तिमाही में उसकी कुल आय तीन फीसदी से अधिक बढ़कर 23,830.7 करोड़ रुपये हो गई, जो वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में 23,097.5 करोड़ रुपये थी। एयरलाइन ने कहा कि रुपये में तेज गिरावट, श्रम कानूनों में बदलाव और चुनौतीपूर्ण परिचालन माहौल के कारण परिचालन लाभ पर असर पड़ा, जिससे कंपनी को जनवरी-मार्च तिमाही में घाटा हुआ। इंडिगो के प्रबंध निदेशक राहुल भाटिया ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 कंपनी के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण परिचालन परिस्थितियों वाला वर्ष रहा, जिससे उसकी लाभप्रदता पर बड़ा असर पड़ा। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान हमारी क्षमता 9.5 फीसदी बढ़ी, जिससे कंपनी की कुल आय में छह फीसदी से अधिक की वृद्धि हुई है। भाटिया ने कहा कि विदेशी मुद्रा उतार-चढ़ाव और असाधारण मदों के प्रभाव को छोड़ दें, तो इंडिगो ने 75 अरब रुपये का लाभ कमाया है। मार्च में एयरलाइन की घरेलू बाजार हिस्सेदारी 63.3 फीसदी रही।

विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार दूसरे हफ्ते गिरावट, 7.51 अरब डॉलर घटा

एजेंसी, मुंबई। पश्चिम एशिया संकट के बीच विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार दूसरे हफ्ते गिरावट आई है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 22 मई को समाप्त हफ्ते में 7.51 अरब डॉलर घटकर 681.38 अरब डॉलर रह गया। पिछले हफ्ते विदेशी मुद्रा भंडार 8.09 अरब डॉलर घटकर 688.89 अरब डॉलर रहा था। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने शुक्रवार को जारी आंकड़ों में बताया कि 22 मई को समाप्त हफ्ते के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां, 2.87 अरब डॉलर घटकर 543.03 अरब डॉलर रह गईं। इस दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य भी 4.53 अरब डॉलर घटकर 114.79 अरब डॉलर रह गया। इस अवधि में विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) भी 7.7 करोड़ डॉलर घटकर 18.75 अरब डॉलर रह गया। आंकड़ों के अनुसार अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में भारत की आरक्षित स्थिति भी 3.3 करोड़ डॉलर घटकर 4.82 अरब डॉलर रह गई। इससे पहले देश का विदेशी मुद्रा भंडार 27 फरवरी को समाप्त हफ्ते में 728.49 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। हालांकि, पश्चिम एशिया में संकट शुरू होने के बाद रुपये पर दबाव बढ़ा और आरबीआई को डॉलर बेचकर विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप करना पड़ा, जिससे कई सप्ताह तक विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट दर्ज की गई।

केंद्र ने पुड्डुचेरी में दो नए विशेष आर्थिक क्षेत्र किए अधिसूचित, रोजगार को मिलेगा बढ़ावा

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने ईजेड के लिए गठित अनुमोदन बोर्ड की मंजूरी के बाद केंद्र शासित प्रदेश पुड्डुचेरी के लिए दो नए विशेष आर्थिक क्षेत्र अधिसूचित किए हैं। इससे पुड्डुचेरी में निवेश, विनिर्माण और रोजगार में तेजी आने की संभावना है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक इन दो एसईजेड में से एक सूचना प्रौद्योगिकी/सूचना प्रौद्योगिकी सक्षम सेवाएं एसईजेड का विकास औलगेरेट नगर पालिका, औलगेरेट तालुक के थट्टनचावडी गांव में करेगी। यह देश का पहला एसईजेड होगा, जिसका विकास किसी शहरी स्थानीय निकाय करेगा। दूसरा

बहु-क्षेत्रीय एसईजेड है, जिसे पुडुचेरी औद्योगिक संवर्धन विकास एवं निवेश निगम (पीआईपीडीआईसी) विल्लियनूर तालुक के करासुर गांव में विकसित करेगा। मंत्रालय के मुताबिक वाणिज्य विभाग के तहत एसईजेड के लिए गठित अनुमोदन बोर्ड ने 27 फरवरी को हुई 137वीं बैठक में इन प्रस्तावों को स्वीकृति दी थी। बोर्ड ऑफ अप्रवूल यानी अनुमोदन बोर्ड भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत गठित सर्वोच्च अंतर-मंत्रालयी निकाय है, जिसका मुख्य कार्य देश में विशेष आर्थिक क्षेत्रों की स्थापना, विकास और संचालन से संबंधित प्रस्तावों को मंजूरी देना और एकल खिड़की निकासी प्रदान करना है।

डार्क किरदार पर ईशा सिंह बोलीं
कैमरे के पीछे ऑन और ऑफ होना आना चाहिए

टेलीविजन इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री ईशा सिंह आगामी फिल्म ऑब्सेस की रिलीज को लेकर तैयार हैं। डार्क और सस्पेंस से भरपूर ट्रेलर रिलीज किया जा चुका है। साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म में डार्क किरदार को लेकर अभिनेत्री का कहना है कि एक एक्टर को पता होना चाहिए कि कब किरदार में रहना है और कब उससे बाहर निकलना है। अभिनेत्री ने से बातचीत में बताया, एक एक्टर के तौर पर आपको यह अच्छी तरह पता होना चाहिए कि कैमरे के सामने कब किरदार में आना है (ऑन होना) और शॉट खत्म होने पर कब उससे बाहर निकलना है (ऑफ होना)। हां, यह सच है कि कुछ किरदार निभाते समय आप बहुत गहराई में चले जाते हैं लेकिन किस्मत से हमारी फिल्म के सेट का माहौल बहुत ही सकारात्मक और मददगार था। आसपास के लोग लगातार मेरा ख्याल रख रहे थे, जिसकी वजह से यह किरदार मुझ पर भावनात्मक रूप से भारी नहीं पड़ा। आज के समय में बढ़ते टॉक्सिक अटैचमेंट और जुनूनी व्यवहार पर बात करते हुए अभिनेत्री ने बताया कि सोशल मीडिया आने से पहले भी समाज में इस तरह के जुनूनी लोग मौजूद थे।

उन्होंने कहा, फर्क बस इतना है कि अब सब कुछ बहुत जल्दी दिखाई देने लगता है क्योंकि हर किसी के पास फोन है और जानकारी तुरंत फैल जाती है। सोशल मीडिया के पॉजिटिव और नेगेटिव, दोनों पहलू हैं। ऑब्सेस के बारे में मुझे जो बात सबसे ज्यादा पसंद आई, वह यह है कि इसकी कहानी में कई भावनात्मक परतें हैं। जब दर्शक यह फिल्म देखेंगे, तो वे समझ जाएंगे कि इन विषयों को कितनी गहराई से दिखाया गया है। अपनी बात को रखते हुए अभिनेत्री ने फिल्म के निर्देशक पीटर की बात को याद करते हुए कहा, पीटर सर ने एक बार कहा था, हर इंसान के अंदर एक फरिश्ता और एक शैतान, दोनों होते हैं। इनमें से कौन सा पहलू कितना बाहर आता है, यह पूरी तरह से उस इंसान पर निर्भर करता है। अभिनेत्री ने किरदार के भावनात्मक बोझ से पूरी तरह मुक्त होने को जरूरी बताते हुए बताया कि काम के दौरान आप मानसिक रूप से उसी दुनिया में रहते हैं। कुछ दिन बहुत भारी होते हैं, तो कुछ अच्छे, लेकिन काम खत्म होते ही उस काल्पनिक दुनिया से बाहर निकलना एक कलाकार के मानसिक स्वास्थ्य के लिए बेहद जरूरी है।

दवाइयां हुईं फेल तो टीवी एक्ट्रेस नारायणी शास्त्री के काम आया योग
रात का अनुभव किया शेयर

टेलीविजन इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्री नारायणी शास्त्री ने गुरुवार को अपनी सेहत से जुड़ा बड़ा अपडेट दिया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर कर बताया कि रात को उतनी तबीयत अचानक इतनी खराब हो गई थी, जिससे उन्हें आधी रात में अस्पताल जाना पड़ा। वीडियो में अभिनेत्री बताती हैं कि रात करीब 2 बजे उनके पेट में असहनीय दर्द शुरू हो गया। शुरू में, तो उन्हें लगा कि यह सिर्फ गैस की सामान्य समस्या है, लेकिन दिक्कत ज्यादा बढ़ी, तो उन्हें अस्पताल जाना पड़ा। वीडियो में नारायणी शास्त्री कहती हैं, पिछली रात मेरे लिए बहुत भयावह थी। रात करीब 2 बजे मेरे एब्डोमेन में बहुत तेज दर्द शुरू हो गया था। पहले तो मुझे लगा कि ये मामूली-सा गैस का दर्द है, लेकिन दर्द किसी एक खास जगह पर नहीं था, बल्कि पूरे पेट के हिस्से में हो रहा था, इसलिए मैंने पुदीना, अजवाइन और जो कुछ भी मेरे पास था, सब आजमाकर देखा, लेकिन दर्द बढ़ता ही जा रहा था। फिर मेरे पति टोनी मुझे तुरंत अस्पताल ले गए। उन्होंने बताया, दर्द इतना हो रहा था कि मैं लोट-पोट हो रही थी। मुझे चक्कर भी आ रहा था। डॉक्टर ने तुरंत मुझे पेनकिलर दी। मेरे सीटी स्कैन और ब्लड टेस्ट की सभी रिपोर्ट सामान्य आईं, किसी तरह की कोई समस्या नहीं मिली। इसके बाद जब मैं घर लौटी, तो सोचने लगी कि आखिर परेशानी की वजह क्या हो सकती है। मुझे लगा कि शायद मेरी नाभि खिसक गई है। फिर मैंने कुछ योग अभ्यास किए और अब मैं काफी बेहतर महसूस कर रही हूं। योग की जय हो। नारायणी शास्त्री पिछले दो दशकों से मनोरंजन जगत का हिस्सा रही हैं। उन्होंने क्योंकि सास भी कभी बहू थी, पिया का घर, और रिश्तों का चक्रव्यूह जैसे लोकप्रिय धारावाहिकों में अपने दमदार किरदारों से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है।

'बाहों में चले आओ' की जमकर तारीफ की सिंगर शान ने

हाल ही में अपनी शानदार गायकी के लिए मशहूर शान ने सिंगिंग रियलिटी शो 'इंडियन आइडल' में बॉलीवुड के सदाबहार गीत 'बाहों में चले आओ' की जमकर तारीफ की। शान ने कहा कि इस गाने में जिस तरह संगीत, भावनाएं और बदलाव देखने को मिलते हैं, वैसा आज भी बहुत कम गानों में नजर आता है। शो के दौरान कंटेस्टेंट ज्योतिर्मयी ने 'बाहों में चले आओ' गीत पर प्रस्तुति दी। उनकी परफॉर्मेंस से प्रभावित होकर शान ने इस गाने की खासियतों पर विस्तार से बात की। उन्होंने कहा कि यह गीत केवल एक रोमांटिक धुन नहीं है, बल्कि इसमें संगीत और भावनाओं का बेहद खूबसूरत मेल दिखाई देता है। शान के मुताबिक यह गाना रात के माहौल में एक कमरे के अंदर फिल्माया गया था, जहां संजीव कुमार, जया बच्चन से धीरे से गाने के लिए कहते हैं और उसी पल से गाने का पूरा मूड बदल जाता है। उन्होंने कहा कि यही बदलाव इस गीत को खास बनाता है। शान ने पुराने और नए गानों को लेकर चलने वाली बहस पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि कई लोग पुराने और नए दौर के संगीत की तुलना करते रहते हैं, लेकिन उनके मुताबिक पुराने दौर के कई गाने आज के गानों से कहीं ज्यादा आधुनिक सोच वाले थे। उन्होंने कहा कि इन गीतों में संगीत जिस तरह बहता है और जिस खूबसूरती से बदलाव आते हैं, वह आज भी दुर्लभ है। शान ने कहा कि कई बार इन गानों को सुनते हुए यह समझ ही नहीं आता कि गाना कहां से शुरू हुआ और कहां खत्म हो गया, और यही उनकी सबसे बड़ी खूबसूरती है। इस दौरान शान ने मशहूर संगीतकार आर.डी. बर्मन की भी जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि पंचम दा अपने समय से काफी आगे की सोच रखते थे और उनके संगीत में हमेशा कुछ नया और अलग सुनने को मिलता था। शान के मुताबिक पंचम दा हिंदी फिल्म संगीत के सबसे मॉडर्न संगीतकारों में से एक थे।

नेहा धूपिया ने स्वर्ण मंदिर में टेका माथा, अमृतसरी छोले-भटूरे का लिया स्वाद

बॉलीवुड अभिनेत्री नेहा धूपिया इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में हैं। इसी सिलसिले में वह पंजाब के अमृतसर पहुंचीं, जहां उन्होंने स्वर्ण मंदिर में माथा टेका। उन्होंने इस यात्रा की कई तस्वीरें और वीडियो अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए हैं, जिन्हें उनके फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। नेहा धूपिया ने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए, जिसमें सबसे ज्यादा ध्यान खींचने वाली तस्वीर स्वर्ण मंदिर की थी। इस तस्वीर में नेहा पवित्र सरोवर के पास खड़ी नजर आ रही है। उन्होंने सिर पर पेस्टल कलर का दुपट्टा ओढ़ रखा है और हाथ जोड़कर श्रद्धा के साथ प्रार्थना करती दिखाई दे रही है। वहीं अन्य तस्वीरों में वह अमृतसर के मशहूर खाने का भी आनंद लेती दिख रही है। एक वीडियो में वह लोकल शॉप पर छोले-भटूरे खाते हुई नजर आ रही है। वीडियो में उनके चेहरे की खुशी साफ बता रही है कि उन्हें पंजाब का यह स्वाद बेहद पसंद आया है। एक दूसरी तस्वीर में वह मजाकिया अंदाज में पोज देती दिख रही है। इस पोस्ट के साथ नेहा धूपिया ने कैप्शन में लिखा, इस यात्रा की हर बात खास रही। कैप्शन में उन्होंने रेड हार्ट, हाथ जोड़ने और एंजल इमोजी का भी इस्तेमाल किया। यह पहली बार नहीं है जब नेहा किसी धार्मिक जगह पर पहुंची हों। इससे पहले वह वृंदावन गई हैं। वहां उन्होंने सेवा कार्यों में हिस्सा लिया था। अगर नेहा धूपिया के करियर की बात करें तो उन्होंने साल 2002 में मिस इंडिया का खिताब जीतकर ग्लैमर की दुनिया में कदम रखा था। इसके बाद उन्होंने फिल्म कयामतः सिटी अंडर थ्रेट से बॉलीवुड में शुरुआत की। आगे चलकर जूली, क्या कूल हैं हम, शूटआउट एट लोखंडवाला, सिंह इज किंग, चुप चुप के और तुम्हारी सुलु जैसी फिल्मों में काम करके अपनी अलग पहचान बनाई। ल्मों के अलावा, नेहा टीवी की दुनिया में भी काफी सक्रिय रही हैं। वह कई रियलिटी शो में जज और होस्ट के रूप में नजर आ चुकी हैं। उनका चर्चित चैट शो नो फिल्टर नेहा भी काफी लोकप्रिय रहा। हाल ही में उन्होंने अपने पति अंगद बेदी के साथ मिलकर कपल-बेस्ड पॉडकास्ट फॉर्मेट लॉन्च किया, जिसमें वे चर्चित सेलिब्रिटी कपल्स से बातचीत करते हैं।

मनोरंजन के साथ मजबूत संदेश भी देती हैं गुजराती फिल्म 'भमरदो'

देश की गुजराती फिल्म इंडस्ट्री में ऐसी फिल्मों की संख्या तेजी से बढ़ रही है, जो मनोरंजन के साथ समाज को मजबूत संदेश भी देती हैं। ऐसी ही एक गुजराती फिल्म 'भमरदो' चर्चा में बनी हुई है। फिल्म 'भमरदो' में अभिनेता हेतल पुनीवाला अहम भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म, अपने किरदार और शूटिंग के अनुभव को लेकर हेतल पुनीवाला ने बताया कि फिल्म में उनका किरदार बच्चों को 'भमरदो' नाम की प्रतियोगिता के बारे में समझाता है। वह बच्चों को बताता है कि अगर कोई इस प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करता है, तो उसे स्कॉलरशिप भी मिल सकती है। कहानी एक ऐसे बच्चे के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे शुरुआत में इस खेल के बारे में कुछ भी पता नहीं होता। उसे यह भी नहीं मालूम होता कि 'भमरदो' आखिर खेला कैसे जाता है। इसके बाद फिल्म उस बच्चे के संघर्ष, मेहनत और सीखने की यात्रा को दिखाती है, जिसमें वह आर्थिक परेशानियों के बावजूद हार नहीं मानता और प्रतियोगिता तक पहुंचने की कोशिश करता है। अपने किरदार को लेकर बात करते हुए हेतल ने कहा कि शुरुआत में उन्हें अंदाजा नहीं था कि यह भूमिका इतनी भावुक और असरदार साबित होगी। उनके मुताबिक फिल्म में कई ऐसे दृश्य हैं, जो दर्शकों को भावनात्मक रूप से गहराई तक छू सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस फिल्म में वैसी ही संवेदनशीलता और भावनात्मक गहराई देखने को मिलेगी, जैसी लोगों ने आमिर खान की चर्चित फिल्म तारे जमीन पर में महसूस की थी। हेतल ने यह भी बताया कि जब फिल्म की शूटिंग शुरू हुई थी, तब उन्हें पूरी कहानी की जानकारी नहीं थी। उन्हें केवल अपने किरदार के बारे में बताया गया था।

मैं खुद को बहुत सीरियसली नहीं लेता : सैफ अली खान

अभिनेता सैफ अली खान इन दिनों अपनी अपकमिंग नेटफ्लिक्स की फिल्म 'कर्तव्य को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच प्रमोशन में व्यस्त अभिनेता ने बताया कि मैं खुद को बहुत ज्यादा सीरियसली नहीं लेता। से बातचीत में सैफ अपनी 25 साल पुरानी वायरल लाइन मैं गिटार खेलता हूं पर न केवल प्रतिक्रिया दी बल्कि क्लिप को बेहद मजेदार भी बताया। इंटरव्यू के दौरान जब उनके को-स्टार रसिका दुग्गल और मनीष चौधरी से पूछा गया कि सैफ सेट पर भी वन-लाइनर्स देते हैं या नहीं तो रसिका ने उनकी कॉमिक टाइमिंग की तारीफ करते हुए कहा, हर समय! वह हर समय खूब मस्ती करने वाले एक्टर्स में से हैं। इस पर सैफ ने कहा, मैं खुद को बहुत ज्यादा सीरियसली नहीं लेता। एक बार जब सीन ठीक से कर लेते हैं, उसके बाद थोड़ी मस्ती भी कर सकते

हैं। बातचीत के दौरान उन्हें दूरदर्शन पर दिए गए लगभग 25 साल पुराने इंटरव्यू की याद दिलाई गई, जिसमें वह कहते सुनाई देते हैं- मैं गिटार खेलता हूं। यह क्लिप आज भी सोशल मीडिया पर बार-बार वायरल होती रहती है। इस पर सैफ ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, मैंने वह क्लिप देखी है। वह मजेदार है, बहुत ही ज्यादा मजेदार। उस क्लिप में हर तरह की चीजें हैं। उन्होंने आगे कहा कि उस इंटरव्यू में कई ऐसी बातें हैं जो अब गैरकानूनी मानी जाएंगी और शायद उस समय भी गैरकानूनी रही होंगी। उसी पुराने इंटरव्यू में सैफ ने अपनी पसंदीदा अभिनेत्रियों मधुबाला और जीनत अमान की तुलना भी की थी। इस पर सैफ ने कहा, उनके बीच के अंतर के साथ... मुझे नहीं पता कि वह अंतर क्या था। यह बहुत ही अजीब बात है। 'कर्तव्य फिल्म के प्रमोशन में सैफ ने अपने काम के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि आजकल क्राइम ड्रामा बहुत ज्यादा हैं, लेकिन एक अभिनेता के रूप में वह हर बार किरदार में कुछ नया लाने की कोशिश करते हैं। सैफ ने बताया, मेरे लिए असली बात यह है कि आप उस इंसान का किरदार निभाएं, न कि सिर्फ पुलिसवाले का। हर इंसान अलग होता है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर वही काम दोबारा करना पड़े तो निर्देशक और निर्माता मिलकर अलग माहौल तैयार करते हैं।

अमर अकबर एंथोनी की रिलीज के 49 साल पूरे
नीतू कपूर ने मनमोहन देसाई का जताया आभार

कुछ फिल्में सिर्फ मनोरंजन नहीं करतीं बल्कि इतिहास के पन्नों में दर्ज हो जाती हैं। एक ऐसी ही सदाबहार ब्लॉकबास्टर फिल्म अमर अकबर एंथोनी 1977 में रिलीज हुई थी, जिसने बुधवार को अपने 27 साल पूरे कर लिए हैं। इस फिल्म के निर्देशक मनमोहन देसाई थे। अभिनेत्री नीतू कपूर ने फिल्म की रिलीज के 49 साल पूरे होने की इंस्टाग्राम पर खुशी जाहिर की। उन्होंने स्टोरीज सेक्शन पर फिल्म का पोस्ट शेयर कर निर्देशक का आभार व्यक्त किया। उन्होंने लिखा, अमर अकबर एंथोनी 27 मई 1977 को रिलीज हुई थी, जिसके लिए निर्देशक मनमोहन देसाई का दिल से शुक्रिया। ब्लॉकबस्टर हिंदी एक्शन-कॉमेडी फिल्म अमर अकबर एंथोनी आज भी उतनी ही पसंद की जाती है, जितनी रिलीज के

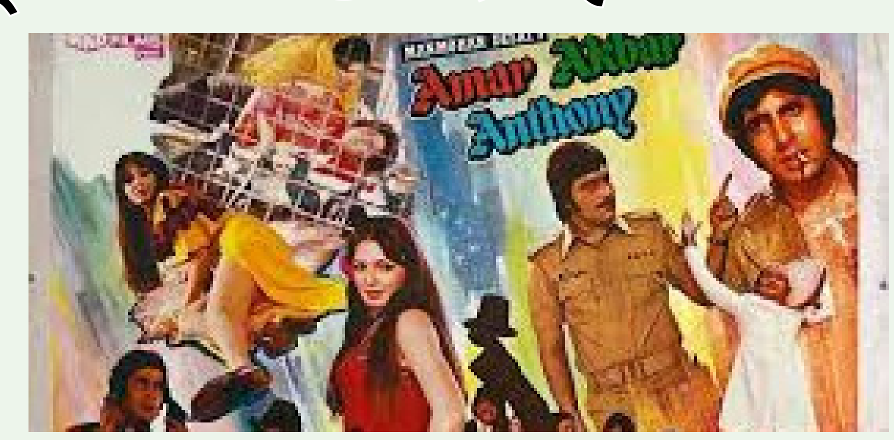

समय की जाती थी। तीन भाइयों की यह अनोखी कहानी भारतीय सिनेमा के इतिहास की सबसे बड़ी कल्ट क्लासिक और ब्लॉकबस्टर मसाला फिल्मों में से एक है। फिल्म में नीतू कपूर (नीतू सिंह) ने डॉ. सलमा अली का किरदार निभाया था। वह फिल्म में एक दयालु और समझदार मुस्लिम डॉक्टर की भूमिका में हैं और अभिनेता ऋषि कपूर के साथ उनकी प्रेम कहानी दिखाई गई है।

इस फिल्म में तर्क पर भावना और ड्रामा को प्राथमिकता दी गई। फिल्म में एक्शन, कॉमेडी, रोमांस और शानदार गानों का ऐसा मिश्रण पेश किया गया जिसने बॉक्स ऑफिस के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए थे। फिल्म में विनोद खन्ना (अमर), ऋषि कपूर (अकबर) और अमिताभ बच्चन (एंथोनी) ने मुख्य भूमिका निभाई। यह फिल्म बचपन में बिछड़े तीन भाइयों की कहानी है, जिन्हें तीन अलग-अलग धर्मों के परिवारों ने पाला। अंततः वे एक साथ मिलकर अपने दुश्मन का पर्दाफाश करते हैं। यह फिल्म अपने शानदार संगीत, एक्शन, कॉमेडी और एकता में अनेकता के संदेश के लिए भारतीय सिनेमा के इतिहास में मील का पत्थर मानी जाती है। अभिनेत्री नीतू कपूर हाल ही में कॉमेडी-ड्रामा फिल्म दादी की शादी में नजर आई थीं, जिसका निर्देशन आशीष आर. मोहन ने किया है। फिल्म में नीतू कपूर, कपिल शर्मा और आर. सरथकुमार मुख्य भूमिकाओं में हैं। इसके साथ ही नीतू कपूर की बेटी रिद्धिमा कपूर साहनी ने इस फिल्म से अपना बॉलीवुड डेब्यू किया है ।

Evening news wrap: PM Modi personally monitoring NEET reforms after paper leak

Sensex crashes over 1,000 points & more

New Delhi, Agency: The Centre told the Supreme Court that PM Modi is personally overseeing NEET reforms after the paper leak row.

Sensex plunged over 1,000 points amid weak monsoon fears, FII selling and US-Iran uncertainty.

The NIA raided 12 locations in a Pakistan-linked drone terror conspiracy involving arms and IEDs.

Rishabh Pant stepped down as Lucknow Super Giants captain after two disappointing IPL seasons.

Nato condemned Russia after a drone crashed into a residential building in Romania near the Ukraine border.

Here are the top stories of the day: PM Modi personally monitoring NEET reforms after paper leak, Centre tells SC. The Centre told the Supreme Court of India that Prime Minister Narendra Modi is personally supervising reforms in the NEET-UG examination process following the 2026 paper leak controversy. The National Testing Agency informed the court that sweeping security measures have been introduced for upcoming exams.

Sensex crashes over 1,000 points as weak monsoon forecast, global worries hit markets . Indian equity markets plunged sharply, with the BSE Sensex falling more than 1,000 points and nearly Rs 5 lakh crore wiped off investor wealth amid concerns over a weak monsoon forecast, continued foreign investor selling and uncertainty around a US-Iran peace deal.

'She made country proud': Supreme Court allows Vinesh Phogat to compete in Asian Games trials

New Delhi, Agency: The Supreme Court on Friday refused to interfere with the Delhi high court order allowing Olympian wrestler Vinesh Phogat to participate in the selection trials for the 2026 Asian Games, observing that the athlete had brought laurels to the country through her achievements in wrestling.

"If anybody else, it would have been on a different footing. She's made the country proud", the apex court said.

The top court's order came on a plea filed by the Wrestling Federation of India (WFI) challenging the high court direction permitting Phogat to compete in the trials, scheduled for May 30 and 31. To ensure fairness, the court ordered video recording of the process and asked that independent observers nominated by the Sports Authority of India and the Indian Olympic Association oversee the trials.

The HC had noted that Phogat had informed the International Testing Agency in December 2024 that she was stepping away from competition due to pregnancy, with plans to return later. After giving birth in July 2025, she resumed training, and the agency subsequently cleared her to compete from 2026. The court observed that her absence during pregnancy prevented her from participating in the qualifying tournaments required under the WFI policy, leading to her exclusion from the trials. It prima facie held that the policy unfairly limited participation to medal winners from specific events, thereby excluding wrestlers such as Phogat. The court also criticised remarks made in the WFI's show-cause notice relating to the Paris Olympics weigh-in controversy. Calling references to the episode as a 'national embarrassment' deplorable, the court said the comments appeared vindictive, especially since the Court of Arbitration for Sport had found no wrongdoing on Phogat's part.

The SC, however, flagged concerns with the manner in which the HC examined the matter but decided not to interfere with their order. "These are not medical college admissions but national and international sports. It can't be like courts will interfere in this manner and disrupt the entire schedule", Justice PS Narasimha remarked during the hearing. Phogat has been asked to respond to the plea filed by WFI against the Delhi HC order permitting her to appear in the Asian Games selection trials. The matter will now be heard on June 1.

India's new health challenge: Obesity and diabetes surge despite nutrition gains

New Delhi, Agency: India is making steady progress in reducing child malnutrition and improving maternal and child health, but rising obesity and diabetes are emerging as a major new public health challenge, according to the National Family Health Survey (NFHS-6) 2023-24 released on Friday.

The survey found that the proportion of women aged 15-49 who were overweight or obese increased sharply from 24% in NFHS-5 (2019-21) to 30.7% in NFHS-6, while the figure for men rose from 22.9% to 27.3%. The share of women with elevated blood sugar levels or taking medication to control diabetes increased from 13.5% to 17.8%, while among men it rose from 15.6% to 20.9%. The trend was visible across several states. Andhra Pradesh reported one of the highest obesity burdens, with 47.9% of women aged 15-49 classified as overweight or obese and 21.8% having elevated blood sugar levels or taking medication for diabetes. Goa also reported strikingly high levels, with 45.1% of women and 43.6% of men overweight or obese, while more than a quarter of women (27.5%) and nearly a third of men (32.1%) had elevated blood sugar levels or were taking medication to control diabetes.

AI giants make aggressive India pitches

Mumbai, Agency: The India heads of AI world's arch-rivals Anthropic and OpenAI took to the stage at the annual Tech Week here, pitching their suite of products to a room full of developers and founders.

"What makes India really important in OpenAI's journey is the opportunity centred around access, adoption and agency," said Pragya Misra, OpenAI's head of strategy and global affairs in India, adding that the firm will build on its capabilities here while lowering costs of usage to drive adoption. Anthropic, after its recent $65 billion funding, overtook OpenAI to become the most valuable AI startup. "We are creating things from India, for India...reaching last mile and making a test case for the rest of the world," India MD Irina Ghose said.

India, Russia review defence, maritime cooperation as Doval meets Patrushev in Moscow

New Delhi, Agency: National Security Advisor Ajit Doval met with Russian officials in Moscow on Friday, reviewing progress on key bilateral initiatives in maritime connectivity, shipbuilding, defence collaboration, and training of sailors for polar operations.

Doval held talks with Nikolai Patrushev, Aide to the President and Chairman of the Maritime Board of Russia, assessing proposals discussed during Patrushev's visit to New Delhi in November 2025. The two sides also exchanged views on regional and global developments, the Embassy of India in Russia said.

Earlier in the day, Doval met First Deputy Prime Minister Denis Manturov, reviewing bilateral cooperation in defence, energy, space and other fields. The Russian side organised a visit to their National Space Centre and the Roscosmos Joint Industry Information Centre.

Doval also met his counterpart Sergei Shoigu, Secretary of the Security Council of Russia, on the sidelines of the first International Security Forum, reviewing ongoing cooperation in defence, security, energy and economic ties. The two sides also discussed the upcoming BRICS NSA meeting in New Delhi, the embassy said.

In his speech at the forum, Doval called for special attention to the situation in West Asia, emphasising the need to ensure safe and uninterrupted flow of trade through international waterways, including the Strait of Hormuz and the Red Sea.

Operation Sheruwali enters Day 7; searches continue in J&K's Rajouri

Jammu, Agency: A joint team of the Army, J&K Police and CRPF continued hunting two to three terrorists believed to be holed up in the dense forests of Dorimal-Gambhir Mughlan belt in Manjakote sector of Rajouri district as Operation Sheruwali entered its seventh day Friday.

Helicopters, drones and sniffer dogs were assisting the troops on the ground, officials said. Additional reinforcements were also rushed in to plug possible escape routes and assist the forces in the ongoing anti-terror operation, which was launched on May 23 after a brief fire exchange between ultras and security personnel. On Thursday, heavy firing and shelling took place in Dorimal as the search party continued to tighten the cordon. Earlier, security forces busted a terrorist hideout containing some essential commodities on May 25, the third day of the operation. The spot was later destroyed.

Several top officers, including the Northern Army Commander Lt Gen Pratik Sharma and IG CRPF (Jammu) Amol V Homkar, visited Rajouri in the past week for operational review and situational assessment.

CISF, Army join hands to counter drone threats at India's airports

New Delhi, Agency: With drones emerging as a prime source of low-altitude threats at sensitive airports, particularly in J&K and Punjab, the CISF, which guards 72 airports across the country, has tied up with the Indian Army to equip its personnel with advanced capabilities to detect, track and neutralise hostile unmanned aerial systems (UAVs). Simultaneously, 659 personnel from its specialised aviation security group have undergone rigorous 'military-grade battle inoculation training' to prepare for quick response teams (QRTs) to be deployed at all CISF-protected airports by the year-end. The progress of the counter-drone training programme and the battle inoculation training for airport QRTs was reviewed at an operational review for the CISF's north sector and airport sector, chaired by CISF DG Praveer Ranjan in Chandigarh on Friday. The meeting took stock of the progression of key technological and operational upgrades across the commercial airports under CISF protection. Discussions centred on reinforcing perimeter security at airports, upgrading surveillance networks and adopting next-generation screening tools, including full body scanners, to maintain world-class aviation security standards.

Senior officers and commanders of various CISF units participated in the meeting, which saw detailed discussions on strengthening security preparedness, enhancing response capabilities through better inter-agency coordination, and the adoption of advanced technologies for the protection of critical infrastructure and civil aviation installations.

Supreme Court invokes Article 142, issues directions to high courts to prevent delays in judgments

New Delhi, Agency: The Supreme Court on Friday issued a set of binding directions to all high courts across the country to ensure faster delivery of judgements and reduce delays in the judicial system.

Invoking its special powers under Article 142 of the Constitution, a bench led by Chief Justice of India Surya Kant said reserved judgments must be pronounced within three months. The top court also laid down strict timelines for bail matters. It directed high courts to pronounce bail orders on the same day after hearing the case or by the next day if the order is reserved. The court further said that once regular bail is granted, the order must be immediately communicated to the trial court. It added that undertrial prisoners granted bail should be released on the same day after completing the required formalities. To improve transparency, the Supreme Court ordered that all judgments must be uploaded on high court websites within 24 hours of pronouncement.

Schools, colleges to get tobacco-free compliance appL

New Delhi, Agency: The Centre on Thursday launched a digital platform to monitor compliance with tobacco-free norms in schools and colleges and unveiled a new standard operating procedure for collection and testing of tobacco product samples, strengthening efforts to curb tobacco and nicotine addiction among young people.

The pilot version of the Tobacco-Free Educational Institutions (ToFEI) Application was launched by Union Health Secretary Punya Salila Srivastava during a national event organised under the National Tobacco Control Programme in the run-up to World No Tobacco Day, observed annually on May 31. The digital platform has been designed to facilitate self-assessment and reporting by educational institutions, monitor compliance with tobacco-free campus guidelines and support implementation of mandatory tobacco-control signages.

The pilot phase will be implemented in Rajasthan, Maharashtra and Meghalaya to assess operational feasibility and strengthen reporting systems before a wider rollout across the country.

It will also help enforce the prohibition on sale of tobacco products within 100 yards of educational institutions and promote awareness and sensitisation activities among students and teachers. Officials said the application is expected to strengthen accountability and create healthier, tobacco-free environments for children and adolescents through standardised monitoring, reporting and compliance assessment mechanisms. On the occasion, the health ministry also released a Standard Operating Procedure (SOP) for Sample Collection of Tobacco Products, aimed at strengthening surveillance, regulatory compliance and quality assurance related to tobacco products. The SOP lays down standardised procedures for collection, handling, storage, transportation and documentation of tobacco product samples to ensure consistency and reliability in testing processes.